हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 13 अंक : 63 देहरादून, सोमवार, 26 अगस्त, 2024 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 8

धामी सरकार ने सरकारी अस्पतालों में उपचार सस्ता किया 3

सीएम धामी ने देहरादून में पीएम नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम का 113वां संस्करण सुना

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून । मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को इंदिरा नगर, देहरादून में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के "मन की बात" कार्यक्रम का 113 वां संस्करण सुना। मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने IIT-Madras के पूर्व छात्रों द्वारा शुरू किए गए Spacetech Start-Up GalaxEye की टीम के सदस्यों से वार्ता की। इस टीम के सदस्यों में से एक अल्मोड़ा, उत्तराखंड निवासी रक्षित भी हैं। रक्षित से वार्ता के दौरान प्रधानमंत्री ने अल्मोड़ा की प्रसिद्ध बाल मिठाई का जिक्र किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि बैडमिंटन खिलाडी लक्ष्य सेन हमेशा उनके लिए अल्मोडा की बाल मिठाई लाते हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपने संबोधन में कहा कि 'मन की बात' कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पेस सेक्टर में उत्कृष्ट कार्य कर रहे अल्मोड़ा के रक्षित से वार्ता कर स्पेस संबंधित विभिन्न कार्यों की विस्तृत जानकारी ली। आज हमारे प्रदेश के युवा प्रत्येक सेक्टर में राज्य का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री द्वारा अल्मोड़ा की प्रसिद्ध बाल मिठाई एवं प्रदेश के बैडमिंटन खिलाडी लक्ष्य सेन का जिक्र करना उत्तराखण्ड के प्रति उनके आत्मीय लगाव को प्रदर्शित करता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'मन की बात' कार्यक्रम युवा पीढ़ी, मातृशक्ति के उत्थान एवं सभी को प्रेरणा देने का काम करता है। इस कार्यक्रम के माध्यम से बेहतर और समृद्ध भारत की प्रेरणा भी मिलती है। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के कोने कोने में हो रहे उत्कृष्ट कार्य को आगे लाने का काम किया है। ऐसे अनगिनत कार्य देश के सामने लाए गए हैं, जिस ओर किसी का ध्यान नहीं जाता था। इस कार्यक्रम के माध्यम से छोटे स्थानो पर होने वाले बड़े कार्यों को देश दुनिया के सामने लाया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ' मन की बात' कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री, लोगों के प्रयासों को प्रोत्साहन देकर उनका विश्वास जगाते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम में तिरंगा यात्रा का जिक्र किया। प्रधानमंत्री ने मनुष्य और जानवरों के बीच के प्रेम पर भी प्रकाश डाला है। क्रिएटिविटी के माध्यम से जानवरों की रक्षा एवं फिट इंडिया के बारे में भी प्रधानमंत्री ने सभी को बताया है। उन्होंने कहा कि मन की बात कार्यक्रम ने हमें यह एहसास कराया कि हमारा देश एक बड़े परिवार की भांति है। जहां हर एक नागरिक की देश को बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत पुनः विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर है। पूरी दुनिया प्रधानमंत्री की बातों को पूर्ण गंभीरता से लेती है। भारत ने हर क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। प्रत्येक भारतवासी में आज विश्वास जगा है। आज सरकार समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति के लिए कार्य कर रही है। 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकलने का कार्य हुआ है। 50 करोड़ से अधिक जन धन खाते खोले गए हैं, प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत साढे तीन करोड़ मकान बनाए गए हैं। 10 करोड़ से अधिक उज्जवला योजना के अंतर्गत कनेक्शन दिए गए हैं। जन कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से आमजन के जीवन स्तर में सुधार आया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आयुष्मान भारत के तहत 10 करोड़ परिवारों को 5 लाख तक का बीमा प्रदान किया गया है। हर साल किसान सम्मान निधि को सीधा लाभार्थियों के खातों में भेजा जा रहा है। फसल बीमा योजना से किसानों की फसल को सुरक्षा प्रदान की जा रही है। स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया, स्किल इंडिया, मुद्रा योजना के माध्यम से युवाओं को रोजगार एवं आत्मनिर्भर भारत की नींव को मजबूत किया जा रहा है।

कार्यक्रम के पश्चात मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, भाजपा महानगर देहरादून द्वारा आयोजित सदस्यता अभियान - 2024 कार्यक्रम में भी सम्मिलित हुए।

इस दौरान कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी, राज्यसभा सांसद नरेश बंसल, विधायक श्रीमती सविता कपूर, विधायक खजान दास, विधायक दुर्गेश्वर लाल, विधायक बंशीधर भगत, उपाध्यक्ष अवस्थापना अनुश्रवण समिति विश्वास डाबर, उपाध्यक्ष उच्च शिक्षा उन्नयन समिति डॉ. देवेंद्र भसीन, महानगर अध्यक्ष भाजपा सिद्धार्थ अग्रवाल एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

पुरोला विधानसभा से आए प्रतिनिधिमंडल ने की मुख्यमंत्री धामी से मुलाकात

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून । मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से रविवार को जी.टी.सी हेलीपैड, देहरादून में पुरोला विधानसभा से आए प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। इस अवसर पर प्रतिनिधि मंडल ने राज्य सरकार द्वारा जनपद उत्तरकाशी के सर बडियार/सरनौल -सोत्तरी से सरुताल तक ट्रेक को ट्रेक ऑफ द ईयर घोषित किए जाने पर मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

विधायक पुरोला दुर्गेश्वर लाल ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सर-बडियार/सरनौल - सौत्तरी से सरूताल तक ट्रेक को ट्रेक ऑफ द ईयर घोषित किए जाने के बाद पुरोला क्षेत्र को नई पहचान मिलेगी। इससे क्षेत्र में रोजगार के अवसर पैदा होंगे एवं ट्रैक मार्ग पर पर्यटकों एवं ट्रैक्टर्स की संख्या बढ़ेगी। ट्रेक ऑफ द ईयर घोषित होने से क्षेत्र में बुनियादी विकास सुविधाओं को भी विकसित किया जाएगा एवं ग्रामीण क्षेत्रों से पलायन रुकेगा, जिससे क्षेत्र के लोग काफी उत्साहित हैं।

■ उत्तरकाशी के सर बडियार/सरनौल -सोत्तरी से सरुताल तक ट्रेक को ट्रेक ऑफ द ईयर घोषित किए जाने पर सीएम का आभार व्यक्त किया

भाजपा जिला अध्यक्ष (उत्तरकाशी) सतेंद्र सिंह राणा ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, उत्तरकाशी के विकास के लिए हमेशा अग्रसर रहते हैं।

उत्तरकाशी जिले में ट्रेक ऑफ द ईयर घोषित होने से क्षेत्र के विकास को नई मजबूती मिलेगी। इससे उत्तरकाशी क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा एवं दूरस्थ क्षेत्र में सुविधाओं का विस्तार होगा। बड़ी संख्या में ट्रैकर्स के आने पर क्षेत्र के युवा होमस्टे एवं स्वरोजगार को अपना कर उत्तरकाशी के साथ ही राज्य की आर्थिकी को मजबूत करेगें।

इस दौरान भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर सिंह चौहान, धर्मवीर ज्याडा, अरविंद ज्याडा, कैलाश रावत, जगवीर सिंह रावत, चिरंजीव सेमवाल एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।

वीर नरसिंह एवं टीका सिंह के बलिदान को भुलाया नहीं जा सकता : मुख्यमंत्री धामी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

अल्मोड़ा । मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज तहसील जैंती के धामदेव में सालम क्रांति दिवस में प्रतिभाग कर शहीद स्मारक पर पुष्प चक्र अर्पित कर शहीद नर सिंह एवं टीका सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस क्षेत्र के स्वतंत्रता सेनानी नर सिंह और टीका सिंह ने अंग्रेजों से लड़ते हुए 25 अगस्त 1942 को इस स्थान पर बलिदान दिया था। उनकी बरसी पर हर साल धामदेव में यह दिवस मनाया जाता है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि सालम क्रांति देश में विशेष स्थान रखती है। उन्होंने कहा कि देश की आजादी के लिए जैंती क्षेत्र का अहम योगदान रहा है। शहीद टीका सिंह धामदेव, अल्मोड़ा जनपद के लमगड़ा क्षेत्र में रहने वाले एक प्रतिष्ठित स्वतंत्रता सेनानी थे। टीका सिंह का नाम उन गिने-चुने स्थानीय नायकों में आता है जिन्होंने अपने साहस और बलिदान से भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वीर नरसिंह एवं टीका सिंह ने स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान अंग्रेजों से लड़ते हुए अपने प्राणों का बलिदान दिया था। उनके बलिदान को भुलाया नहीं जा सकता। उनके इस बलिदान ने भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान क्षेत्र में आंदोलन की एक अलख जगाई थी। इसलिए हमें इस बलिदान का स्मरण हमेशा करना होगा। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों की बदौलत ही आज हम एक स्वतंत्र एवं खुशहाल जीवन जी रहे हैं। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि हमारे शहीदों के सपनों के विकसित भारत को बनाने का संकल्प आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लिया है एवं मोदी जी के नेतृत्व में देश में अनेक ऐसे काम हो रहे हैं जिनसे देश निकट भविष्य में एक विकसित राष्ट्र के रूप में उभरकर सामने आएगा। देश के सैनिकों एवं भूतपूर्व सैनिकों के कल्याण के लिए अनेक कार्य किए जा रहे हैं। कई शहीद स्मारकों का निर्माण किया जा रहा है। यह हमारे देश के शहीदों के प्रति हमारी कृतज्ञता को दिखता है। उन्होंने कहा कि जनकल्याण की अनेक योजनाएं हमारी सरकार द्वारा चलाई जा रही हैं जिनसे लोगों के जीवन को आसान बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जा रही है।

भ्रष्टाचार पर हमारी सरकार ने कड़ा शिकंजा कसा है ।जिससे गरीबों का पैसा गरीबों के खाते में पहुंच रहा है। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि राजनीति बदलती रहती है लेकिन हमारे शहीदों का बलिदान कभी भी बुलाया नहीं जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसके लिए हमारी सरकार लगातार कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपने संबोधन में हवालबाग स्थित रूरल बिजनेस इनक्यूबेटर का जिक्र करते हुए कहा कि यह संस्थान आज ग्रामीण अंचल के व्यवसायियों एवं नवयुवकों के लिए रोजगार के नए नए मार्ग के बारे में प्रशिक्षण दे रहा है।

पैसे लो और देश छोड़कर निकल जाओ! ये मुल्क दे रहा अपने नागरिकों को ऑफर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 26 अगस्त : अपना देश कौन छोड़ना चाहेगा? लेकिन अगर आपको पैसे ऑफर कए जाएं, जाने का करिया भी दिया जाए, तो... चौंकिए मत, यूरोपीय देश स्वीडन अपने नागरकिों को ऐसा ही ऑफर दे रहा है. स्वीडन की इमीग्रेशन मिनस्टिर मारिया माल्मर स्टेनगार्ड ने ये अनोखा प्रस्ताव पेश कयिा है. इसके मुताबिक, विदेश में पैदा हुए जो भी स्वीडशि नागरकि देश छोड़ना चाहते हैं, वे स्वेच्छा से जा सकते हैं. इसके लिए उन्हें पैसे मिलेंगे. इतना ही नहीं, जाने के लिए करिया भी सरकार की ओर से दिया जाएगा।

स्वीडन में पहले से स्वैच्छिक इमीग्रेशन योजना लागू है, जिसके तहत शरणार्थियों और प्रवासयिों को देश छोड़ने पर 10,000 स्वीडिश क्राउन यानी लगभग 80 हजार रुपये दिए जाते हैं. अगर कोई बच्चा स्वीडन छोड़कर जाता है, तो उसे 5,000 स्वीडिश क्रोना यानी लगभग 40 हजार रुपये दिए जाते हैं. यह पैसा एक साथ उन्हें दिया जाता है. इतना ही नहीं, देश से जाने का करिया भी सरकार देती है. लेकिन अब इसमें अपने नागरकिों को भी जोड़ने की तैयारी है. इसलिए सरकार की ओर से नया प्रस्ताव पेश कयिा गया है।

नए प्रस्ताव के मुताबिक, अब इसमें सभी नागरकिों को शामिल कयिा जाएगा. देश छोड़कर जाने वालों को दिए जाने वाले अनुदान 10 हजार स्वीडशि क्रोना से बढ़ाने की बात भी कही गई, लेकिन उसे सरकार ने खारजि कर दिया है. सरकार का कहना है कि इससे संदेश जाएगा कि स्वीडन उन्हें पसंद नहीं करता. स्वीडन में दुनिया के कई देशों से लोग जाकर बस जाते हैं. यही वजह है कि इस देश की आबादी 20 साल में ही दोगुनी हो गई है. माना जा रहा है कि प्रवासयिों की संख्या में 20 लाख से भी ज्यादा हो गई है, जो स्वीडन की कुल आबादी का पांचवां हस्सिा है. यह देखते हुए 2015 में सरकार ने कई पाबंदयिां लगाईं, लेकिन कोई असर नहीं पड़ा. अभी भी भारी संख्या में लोग स्वीडन में आ रहे हैं. वहां रहने का इरादा करके आ रहे हैं. इससे जनसंख्या लगातार बढ़ती जा रही है।

हालांकि, पिछले साल स्वीडन छोड़कर जाने वालों की संख्या वहां आकर बसने वालों की संख्या से ज्यादा थी. बीते 50 साल में ऐसा पहली बार हुआ था. इमीग्रेशन मिनस्टिर ने कहा, लोग आ तो जाते हैं, लेकिन वे स्वीडन के समाज में ढल नहीं पाते. ऐसे लोगों के पास मौका होगा कि वे देश छोड़कर चले जाएं. सरकार उन्हें आर्थिक मदद भी मुहैया कराएगी. स्वीडन में कई लोग ऐसे हैं, जिनके बच्चे इराक, सीरिया और सोमालयिा जैसे देशों में भी पैदा हुए, लेकिन अब वे स्वीडन आकर रहना चाहते हैं. ऐसे लोगों के लिए भी सरकार का ये ऑफर है।

उधर, प्रसिद्ध अर्थशास्त्री और मोदी सरकार के सलाहकार संजीव सान्याल ने यूरोपीय देशों को आईना दिखाया. उन्होंने एक्स पर लखिा, स्वीडन विदेश में पैदा हुए अपने ही नागरिकों को स्वेच्छा से देश छोड़ने का ऑफर दे रहा है. ध्यान दें, यह उन लोगों के लिए होगा, जिनके पास पहले से स्वीडशि पासपोर्ट है. आश्चर्य हो रहा है, ये कसि तरह का लोकतंत्र है? मुझे यकीन है कि सुपरकंप्यूटर इसकी गणना करके बता सकता है कि डेमोक्रेसी पैरामीटर में इसके लिए कितने अंक दिए जाने चाहिए।

IAS बनने के लिए इन कोर्स में करें ग्रेजुएशन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 26 अगस्त : IAS बनने के लिए ग्रेजुएशन का कोर्स चुनते समय आपको अपनी रुचि, क्षमता, और UPSC सिविल सेवा परीक्षा (CSE) के सिलेबस को ध्यान में रखना चाहिए. हालांकि, कोई स्पेसिफिक कोर्स नहीं है, जो आपको निश्चित रूप से पहली बार में UPSC क्रैक करने में मदद करेगा, लेकिन कुछ कोर्सेस ऐसे हैं जो आपको इस परीक्षा की तैयारी में मदद कर सकते हैं।

1. पॉलिटिकल साइंस : UPSC के सिलेबस में पॉलिटिकल साइंस का महत्वपूर्ण हिस्सा होता है, जैसे भारतीय संविधान, राजनीति, अंतर्राष्ट्रीय संबंध आदि. अगर आप पॉलिटिकल साइंस में ग्रेजुएशन करते हैं, तो आपको इन विषयों पर गहरी समझ होगी, जो परीक्षा में सहायक हो सकती है।

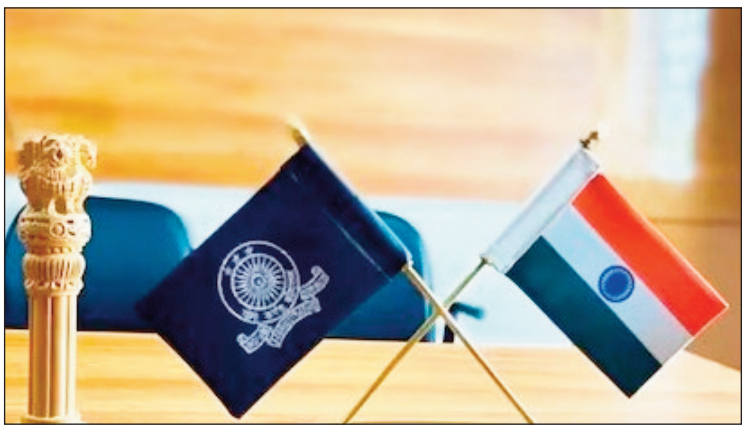

2. इतिहास : इतिहास UPSC के जनरल स्टडीज (GS) पेपर के लिए एक मेन सब्जेक्ट है. ग्रेजुएशन में इतिहास पढ़ने से इस विषय पर आपकी पकड़ मजबूत हो सकती है।

3. समाजशास्त्र : समाजशास्त्र यूपीएससी का काफी लोकप्रिय ऑप्शनल सब्जेक्ट है, और यह UPSC की तैयारी के लिए भी काफी उपयोगी है. यह समाज की संरचना, सामाजिक समस्याओं, और सामाजिक आंदोलनों के बारे में समझ विकसित करने में मदद करता है।

4. अर्थशास्त्र : भारतीय अर्थव्यवस्था UPSC के लिए एक महत्वपूर्ण विषय है. अगर आप अर्थशास्त्र में ग्रेजुएशन करते हैं, तो आपको अर्थव्यवस्था से संबंधित मुद्दों को समझने में आसानी होगी.

5. पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन : यह एक और यूपीएससी का लोकप्रिय ऑप्शनल सब्जेक्ट है, जो UPSC के सिलेबस के साथ सीधे जुड़ा हुआ है. यह प्रशासनिक संरचना, नीतियों, और सरकार के कामकाज को समझने में मदद करता है.

6. भूगोल : भूगोल भी UPSC में एक प्रमुख विषय है, और इसमें ग्रेजुएशन करने से आपको इस विषय में गहरी समझ मिलेगी.

इन बातों का रखें खास ध्यानः

रुचि और जुनूनः आप जिस सब्जेक्ट में रुचि रखते हैं, उसमें ग्रेजुएशन करना सबसे अच्छा होगा. UPSC की तैयारी लंबी और कठिन होती है, इसलिए रुचि रखने वाले सब्जेक्ट को चुनना आपको पढ़ाई में लगे रहने में मदद करेगा. स्मार्ट स्ट्रेटजीः UPSC के सिलेबस के साथ मेल खाते सब्जेक्ट्स को चुनना, और ग्रेजुएशन के दौरान ही उन विषयों की गहराई से समझ बनाना फायदेमंद हो सकता है. ग्रेजुएशन के दौरान ही अगर आप UPSC की तैयारी शुरू कर देते हैं, तो आपको परीक्षा की तैयारी के लिए पर्याप्त समय मिल सकता है.

एक इन्वेस्टमेंट से हुई इतनी कमाई कि 7 पीढ़ी अब बैठकर करेंगी ऐश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 26 अगस्त : जैविक खेती आत्मनिर्भर भारत बनाने की दिशा में पहला कदम है, क्योंकि यह देशी गाय के गोबर और गोमूत्र से की जाती है. देसी गाय आधारित खेती में रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का बिल्कुल भी उपयोग नहीं किया जाता है, इसलिए यह बहुत कम लागत वाली खेती है.

हाल के दिनों में बड़ी संख्या में किसानों ने गाय आधारित खेती की ओर रुख किया है. आज हम एक ऐसे ही किसान के बारे में बात करेंगे, जो किसी फल या सब्जी की नहीं बल्कि गाय आधारित चंदन की खेती कर रहा है. दोलतपुरा वडोदरा जिले के देसर तालुक में स्थित एक महत्वपूर्ण गांव है. इस गांव के 36 वर्षीय किसान उमंग पटेल प्राकृतिक रूप से चंदन की खेती करते हैं. उन्होंने 12 बीघे कृषि भूमि पर सफेद और लाल चंदन के पेड़ उगाए हैं. उन्होंने वर्ष 2020 तक लगभग 10 लाख का निवेश किया था. वह इस बात पर जोर देते हैं कि प्राकृतिक खेती, पेड़ों को सुंदर रंग और सुगंध देती है और उनकी पूरी क्षमता से विकास की सुविधा प्रदान करती है.उमंग ने सिविल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा पूरा करने के बाद 4 साल तक कंस्ट्रक्शन लाइन में काम किया है. हालांकि, उन्होंने जड़ों का अनुसरण करने का निर्णय लिया और प्राकृतिक खेती की ओर रुख किया, लेकिन बाद में, उन्होंने अपनी जड़ों का अनुसरण करने का निर्णय लिया और प्राकृतिक खेती की ओर रुख किया. पहले, उन्होंने कुछ सब्जियाँ उगाईं और फिर इसके उच्च रिटर्न के कारण अपने खेत में चंदन उगाने का फैसला किया.उमंग ने आगे कहा, मैंने साल 2015 में खेती शुरू की और सावली के दोलतपुरा गांव में अपनी 12 बीघा जमीन पर चंदन के पेड़ उगाने की योजना बनाई. मैंने लगभग 1400 पेड़ उगाए हैं और वे सभी अब धीरे-धीरे पूर्ण विकसित पेड़ बन रहे हैं. यह एक लंबी प्रक्रिया रही है. क्योंकि, केवल पूर्ण विकसित पेड़ ही बेचे जा सकते हैं. मैंने सफेद और लाल चंदन की किस्में लगाई हैं. 2028 में परिपक्व होने पर इसे बेचने की उम्मीद है. भविष्य में इस चंदन से करीब 7 करोड़ रुपये की कमाई हो सकती है. मैं हर दिन खेतों का दौरा करता हूं और उनकी वृद्धि देखकर खुश होता हूं. जो गौ आधारित प्राकृतिक खेती के कारण संभव हुआ है.

पहली बार जुर्म और बरसों से कैद जिंदगी, अब नए कानून से मिलेगी जेल से आजादी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 26 अगस्त : इंडियन पीनल कोर्ट (IPC) की जगह अब भारतीय न्याय संहिता (BNSS) ने ले ली है. दावा किया गया था कि नए कानूनों (BNSS section 479(में अब इंसाफ मिलने में पहले की तुलना में कम समय लगेगा. इससे लंबित पड़े मुकदमों का बोझ भी अदालतों पर कम होगा. इससे न सिर्फ अंडर ट्रायल कैदियों को राहत मिलेगी, बल्कि जेल में गंभीर मामलों में बंद कैदियों के बाहर आने का रास्ता भी साफ हो जाएगा. सुप्रीम कोर्ट ने अब लंबे समय से जेल में बंद विचाराधीन कैदियों को राहत दी है और उनकी जमानत का रास्ता साफ कर दिया है.

सुप्रीम कोर्ट ने उनकी जमानत को हरी झंडी दिखा दी है. दरअसल केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि ₹विचाराधीन कैदी को हिरासत में रखने की अधिकतम अवधि₹ से संबंधित भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 की धारा 479 देशभर के विचाराधीन कैदियों पर पूर्वव्यापी प्रभाव से लागू होगी.सुप्रीम कोर्ट ने अभिवेदन पर गौर किया और देशभर के जेल अधीक्षकों को निर्देश दिया कि वे प्रावधान की उपधारा में उल्लिखित अवधि का एक तिहाई पूरा होने पर संबंधित अदालतों के जरिए विचाराधीन कैदियों के आवेदनों पर कार्रवाई करें. कोर्ट ने आदेश दिया कि ये कदम जल्द यानी कि 3 महीने के भीतर उठाए जाने चाहिए.

बीएनएसएस की धारा 479 में एक तिहाई सजा भुगत चुके पहली बार के आरोपियों को जमानत देने का प्रावधान है. धारा 479 कहती है कि पहली बार के विचाराधीन कैदी अगर अपनी अधिकतम सजा की एक तिहाई सजा काट लेता है तो कोर्ट उसे बॉन्ड पर रिहा कर सकता है. हालांकि ये कानून सजा ए मौत या उम्रकैद काट रहे अपराधियों पर लागू नहीं है. बता दें कि भारतीय न्याय संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम एक जुलाई से प्रभावी हुए थे, जिन्होंने ब्रिटिश काल की दंड प्रक्रिया संहिता, भारतीय दंड संहिता और 'इंडियन एविडेंस एक्ट' की जगह ली है.मामले में सीनियर वकील गौरव अग्रवाल ने इससे पहले बेंच से कहा था कि विचाराधीन कैदियों को हिरासत में रखने की अधिकतम अवधि से संबंधित धारा 479 को जल्द से जल्द लागू किया जाना चाहिए और इससे जेलों में भीड़भाड़ की समस्या से निपटने में मदद मिलेगी. सुप्रीम कोर्ट अक्टूबर 2021 से जेलों में भीड़ भाड़ के मुद्दे पर सक्रिय रूप से निगरानी कर रही है, जब उसने इस समस्या का स्वतः संज्ञान लिया था।

पीपलकोटी क्षेत्र के लिए बनेगी पेयजल योजना : सचिव दीपक कुमार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 24 अगस्त :उत्तराखंड शासन में कार्यक्रम क्रियान्वयन सचिव दीपक कुमार गैरोला ने पीपलकोटी जीएमवीएन गेस्ट हाउस में अधिकारियों की बैठक लेते हुए विगत वर्ष 2023 में पीपलकोटी एवं जिले के अन्य क्षेत्रों में आपदा से हुई क्षति, राहत एवं पुनर्वास कार्यों की प्रगति समीक्षा की।

उन्होंने विभागीय अधिकारियों को आपदा प्रभावित क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं को यथाशीघ्र बहाल करने के निर्देश दिए।सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता ने बताया कि नगर पंचायत पीपलकोटी क्षेत्र में विगत वर्ष बादल फटने के कारण तीन नालों में पानी का बहाव ओवरफॉल होने से कुछ लोगों के घर और दुकानों में मालवा घुस गया था। वहीं अगथला में एक व्यक्ति की मृत्यु हुई थी। तीनों नालों के सुरक्षात्मक कार्य हेतु डीपीआर तैयार कर शासन को भेजी गई थी। जिसमें से मेहर गांव से मायापुर एनएच तक

आने वाले नाले की डीपीआर पर आपत्ति लगी हैं। आपत्ति का निराकरण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि नहर निर्माण में आ रही भूमि का अधिग्रहण भी किया जाना है, जिस हेतु तहसील स्तर पर समिति गठित की जानी है। जिस पर सचिव ने एसडीएम एवं सिंचाई विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि 27 अगस्त 2024 तक समिति गठित कर भूमि अधिग्रहण हेतु अग्रिम कार्रवाई शीघ्र पूरी की जाए।

जल निगम के अधिशासी अभियंता ने बताया कि पीपलकोटी क्षेत्र में पेयजल जल समस्या को दूर करने के लिए 28 करोड़ की पंपिंग पेयजल योजना का प्रस्ताव तैयार किया गया है। जिसमें टीएचडीसी डैम से नगर क्षेत्र को पेयजल आपूर्ति की जाएगी। प्रस्तावित डीपीआर में आपत्ति का निराकरण किया जा रहा है। सचिव ने निर्देश दिए कि आपत्ति का शीघ्र निराकरण किया जाए। पीपलकोटी क्षेत्र में पेयजल की समस्या का स्थायी समाधान होने तक पेयजल आपूर्ति की वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

सचिव ने नगर पंचायत पीपलकोटी, बिरही और भीमतला क्षेत्र तक सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट लगाने हेतु नगर पंचायत और जल निगम को संयुक्त सर्वेक्षण कर शीघ्र रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। सचिव ने विद्युत विभाग के अधिकारियों से पीपलकोटी क्षेत्र में विद्युत कटौती की समस्या के संदर्भ में भी जानकारी ली और विद्युत कटौती की समस्या को दूर करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिले के हर क्षेत्र में समय-सयम पर जन अदालत का आयोजन करते हुए आम लोगों की शिकायतों का त्वरित निस्तारण किया जाए। सचिव ने नगर पंचायत के अधिकारियों को निर्देश दिए कि डोर-टू-डोर कूडा क्लेक्शन और कूड़े का सोर्स सेग्रीगेशन किया जाए। नगर क्षेत्र को स्वच्छ एवं साफ बनाए रखने के लिए नगर वासियों को जागरूक किया जाए।बैठक में उप जिलाधिकारी आरके पांडेय, विद्युत, जल निगम व सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता, नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी सहित सभी संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

धामी सरकार ने सरकारी अस्पतालों में उपचार सस्ता किया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 26 अगस्त , धामी सरकार ने सरकारी अस्पतालों में उपचार सस्ता कर दिया है। स्वास्थ्य शुल्क की दरों में 30 से 50 प्रतिशत की कमी की गई है। इससे मरीजों को बड़ी राहत मिली है। सरकारी अस्पतालों में होने वाली जांच की दरें काफी बढ़ गई थीं। इससे मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। कुछ जांचे तो ऐसी थीं, जिनकी दर सरकारी और प्राइवेट में लगभग बराबर हो गई थीं।

स्वास्थ्य सेवाओं के शुल्क अधिक होने से गरीब मरीजों को सरकारी अस्पताल में उपचार कराना मुश्किल हो रहा था। इसके चलते उत्तराखंड सरकार ने सरकारी अस्पताल उपचार सस्ता कर दिया है। सिविल अस्पताल रुड़की में जो पर्चा 28 रुपये का बन रहा था, वह अब 20 रुपये का बनेगा। इसी तरह से चेस्ट एक्स-रे जो 215 का होता था, वह अब 60 का हो गया है। अल्ट्रासाउंड 570 का था, वह अब

323 का हो गया है। बेड चार्ज 57 रुपये था, अब 25 रुपये कर दिया गया है।प्राइवेट वार्ड का चार्ज 387 रुपये प्रतिदिन था, लेकिन यह अब 300 रुपये कर दिया गया है।

इमरजेंसी भर्ती चार्ज 145 से घटाकर 50 कर दिया गया है। इसी तरह से अस्पताल में मिलने वाली सभी स्वास्थ्य सेवाओं के शुल्क में 30 से 50 प्रतिशत की कमी कर दी गई है। इससे मरीजों को बड़ी राहत मिली है। मरीज इसके लिए उत्तराखंड सरकार का आभार व्यक्त कर रहे हैं। रुड़की सिविल अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ संजय कंसल ने बताया कि शासन के निर्देश पर स्वास्थ्य सेवाओं के शुल्क की दरों में कमी कर दी गई है।

जनपद के प्रभारी सचिव दीपेन्द्र चौधरी ने विभिन्न विकास कार्यो को किया स्थलीय निरीक्षण

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चमोली। जनपद चमोली के प्रभारी सचिव दीपेन्द्र कुमार चौधरी ने जिले के तीन दिवसीय प्रवास पर रहे। इस दौरान उन्होंने सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास, शिक्षा, स्वास्थ्य विभागों की समीक्षा के साथ विभिन्न विकास कार्यो का स्थलीय निरीक्षण करते हुए ग्रामीणों की समस्याएं भी सुनी।

प्रभारी सचिव ने सैनिक कल्याण विभाग को भूतपूर्व सैनिकों, वीर नारियों और उनके आश्रितों को उपलब्ध कराई जाने वाली जनकल्याणकारी एवं पुनर्वास योजनाओं की समीक्षा करते हुए पूर्व सैनिकों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। जिला चिकित्सालय के निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने पर जोर दिया।

सचिव ने विकास कार्यो का स्थलीय निरीक्षण कर ग्रामीणों की सुनी समस्या

सचिव ने विकासखंड दशोली के कोटेश्वर गांव का भ्रमण कर विभिन्न विकास कार्यो का स्थलीय निरीक्षण किया और विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यो की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों की समस्याएं भी सुनी। ग्रामीणों ने सचिव को जंगली सुअर एवं बंदरों से फसलों को हो रहे नुकसान, सडक व सिंचाई नहर को दुरस्थ करने और डेयरी में दूध का उचित दाम न मिलने की समस्याएं बताई।

प्रभारी सचिव ने जंगल जानवरों को रोकने के लिए चेंनिंग फेंसिंग, घेरबाड कराने के साथ वैकल्पिक तरीके जैसे लेमन ग्रास, नेपियर घास व कंटीली झाडिया लगाने की बात कही। कहा कि काश्तकारों को कीवी, हल्दी, अदरक, जड़ी बूटी आदि नगदी फसल जिन्हें जंगली जानवर नुकसान नही पहुंचाते है उनको उगाने के लिए प्रोत्साहित करें। उद्यान अधिकारी ने बताया कि बागवानी फसल की सुरक्षा के लिए 80 फीसदी सब्सिडी पर काश्तकारों को चैंनिंग फेंसिंग की सुविधा मुहैया की जा रही है। सचिव ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि दुग्ध उत्पादकों की फीड सब्सिडी 50 फीसदी करने की मांग को लेकर शासन में वार्ता की जाएगी। उन्होंने उद्यान अधिकारी को किसानों को शीघ्र लीलियम के बल्ब भी उपलब्ध कराने के निर्देश।

क्षेत्र पंचायत सदस्य राजेंद्र सिंह बिष्ट ने मण्डल बणद्वारा में नहर क्षतिग्रस्त होने की समस्या रखी। इस पर सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियन्ता ने बताया कि इस वित्तीय वर्ष में यह निर्माण प्रस्तावित है। जडी बूटी - बणद्वारा मोटर मार्ग की मरम्मत को लेकर अधिशासी अभियन्ता ने बताया कि सडक मरम्मत कार्य हेतु पीएमजीएसवाई में प्रस्तावित है। ग्रामीणों ने बताया कि राइका बैरागना में 400 नाली भूमि बंजर पडी है और इस भूमि पर अतिक्रमण की आशंका है। उन्होंने इस भूमि पर खेल मैदान बनाने की मांग रखी। जिस पर प्रभारी सचिव ने शिक्षा अधिकारी को उचित कार्रवाई के निर्देश दिए। इस दौरान एनआरएलएम के ब्लॉक समन्वयक ने बताया कि कोटेश्वर गांव में 9 समूह बनाए गए हैं जिनमें माध्यम से आर्थिक उन्नयन के लिए विभिन्न व्यावसायिक गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है। समूहों के माध्यम से इस वर्ष 180 कुंतल मडुवे का विपणन किया गया।

सचिव ने नई शिक्षा नीति लागू करने को लेकर की चर्चा

सचिव ने राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय गोपेश्वर, राइका बैरागंना और प्राथमिक विद्यालय बैरांगना का निरीक्षण करते हुए नई शिक्षा नीति लागू करने के संदर्भ में प्राचार्य, प्रोफेसर, प्रधानाचार्य एवं शिक्षा अधिकारियों से लंबी चर्चा एवं विचार विमर्श किया। सचिव ने शिक्षण संस्थानों में वोकेशनल ट्रेनिंग को अनिवार्य रूप से प्रदान करने के निर्देश दिए। ताकि छात्रों को स्वरोजगार या अन्य प्राइवेट सेक्टर में रोजगार के बेहतर विकल्प उपलब्ध हो सके।

संक्षिप्त खबरें

पौड़ी में बच्चों ने दी शानदार प्रस्तुतियां

पौड़ी। गढ़ ज्योति सांस्कृतिक कला मंच द्वारा रविवार को प्रेक्षागृह में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुतियां दी। इस दौरान नंदा देवी लोक जात यात्रा दशकों के लिए आकर्षण का केंद्र रही। रविवार को प्रेक्षागृह में आयोजित 14वीं उत्तराखंडी लोक नृत्य कार्यशाला के समापन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बच्चों ने थड्या, चौंफला, चांचरी, झोड़ा, छपेली, छोपती, छोलिया, तांदी, जौनसारी, जौनपुरी व बावरी आदि लोक नृत्य विधाओं की शानदार प्रस्तुति दी। इससे पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि कांग्रेस नेता पूर्व आईएएस सुंदरलाल मुयाल ने किया। उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों से युवाओं को अपनी संस्कृति को समझने के साथ ही हुनर दिखाने के लिए मंच मिलता है। उन्होंने गढ़ ज्योति सांस्कृतिक कला मंच की अपनी सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने को लेकर किए जा रहे प्रयास की सराहना की। गढ़ ज्योति सांस्कृतिक कला मंच के अध्यक्ष भरत सिंह रावत ने बताया कि बीते 22 जुलाई से रामलीला मैदान में गढ़ ज्योति सांस्कृतिक कला मंच की ओर से चौदवीं उत्तराखंडी लोक नृत्य कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा था। जिसमें स्थानीय बच्चों को थडया, चौंफला, चांचरी, झोड़ा, छपेली, छोपती, छोलिया, तांदी, जौनसारी, जौनपुरी व बावरी आदि लोक नृत्य विधाएं सिखाई गई। कार्यशाला के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं की अव्वल प्रतिभागियों को भी सम्मानित किया गया। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि कांग्रेस के जिला अध्यक्ष विनोद नेगी, बीआर मॉडर्न स्कूल के प्रधानाचार्य दामोदर प्रसाद मंमगाई, आह्वान संस्था की अध्यक्ष प्रियंका थपलियाल, कार्यक्रम निर्देशक सुर्दशन बिष्ट, अंकित आदि शामिल रहे। संचालन मनोज रावत अंजुल ने किया।

कंडोलिया मैदान में होंगे कृष्ण जन्मोत्सव के कार्यक्रम

पौड़ी। कृष्ण जन्माष्टमी पर्व को लेकर मुख्यालय पौड़ी में मंदिर सज गए हैं। वहीं, कंडोलिया मैदान में पुलिस की ओर से कृष्ण जन्मोत्सव को धूमधाम से मनाने के लिए भी तैयारियां शुरू कर दी गई है। एसएसपी पौड़ी लोकेश्वर सिंह ने बताया कि पुलिस लाइन और कंडोलिया मैदान में कृष्ण जन्मोत्सव का आयोजन किया जाएगा। बताया कि श्री कृष्ण झांकी दर्शन एवं प्रसाद ग्रहण कार्यक्रम रिजर्व पुलिस लाइन में आयोजित किया जाएगा। सोमवार को कंडोलिया खेल मैदान में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम रहेगी। बताया कि कार्यक्रम को भव्य रूप देने को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। बताया कि बीते वर्षों में रिजर्व पुलिस लाइन में कृष्ण जन्मोत्सव पर कार्यक्रम आयोजित होते थे लेकिन इस बार कार्यक्रमों को वृहद रूप देते हुए जहां पुलिस लाइन श्री कृष्ण जन्म, झांकी दर्शन एवं प्रसाद ग्रहण कार्यक्रम होगा। वहीं कंडोलिया मैदान में श्री कृष्ण जन्मोत्सव पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। जिसमें स्टालों के साथ-साथ विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे।

भाजपा ने सदस्यता महाअभियान को सफल बनाने पर की चर्चा

पौड़ी। शनिवार को नगरपालिका सभागार में भाजपा की सदस्यता महाअभियान कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उदघाटन प्रदेश महामंत्री आदित्य कोठारी ने किया। उन्होंने बताया कि उत्तराखंड में वर्ष 2014 के सदस्यता अभियान में 10 लाख 13 हजार और वर्ष 2019 के अभियान 10 लाख 77 हजार सदस्य बनाए गए थे। जिसे इस वर्ष के अभियान में और अधिक बढ़ाना है। बताया कि 1 से 25 सितंबर और 1 से 15 अक्तूबर तक प्राथमिक सदस्यता, 16 से 31 अक्तूबर तक सक्रिय सदस्यता अभियान चलाया जाएगा। जिसको लेकर मंडलों की कार्यशाला 27, 28 व 29 को आयोजित होगी।

माह भर पहले लापता युवकों की तलाश जारी

चमोली। बीती 26 जुलाई की रात्रि को कर्णप्रयाग-ग्वालदम हाईवे पर आमसोड़ के पास पहाड़ी से हुए भूस्खलन की चपेट आकर एक मैक्स पिकअप वाहन चालक समेत दो युवक लापता हो गए थे। पुलिस द्वारा पिंडर नदी के समीप गाड़ी का तिरपाल और रस्सा बरामद किया गया था। रविवार को आमसोड़ के पास नदी में लापता चल रहे वाहन को देखे जाने की खबर मिलते ही पुलिस एनडीआरएफ के जवान व डांगतोली गांव के लोग घटनास्थल पर वाहन का रेस्क्यू करने के लिए पहुंचे। विदित है कि 26 जुलाई को कर्णप्रयाग-ग्वालदम हाईवे पर आमसोड़ के पास पहाड़ी से हुए भूस्खलन की चपेट में आने से वाहन समेत दो युवक पिण्डर नदी में बह गए थे। दुर्घटना की जानकारी तीन दिन बाद तब मिली जब नदी किनारे मलबे में दुर्घटनाग्रस्त वाहन के तिरपाल का टुकड़ा और रस्सी दबा पाया गया था। प्रशासन ने तब हफ्ते भर तक पिंडर नदी के दोनों छोरों पर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर लापता वाहन तथा युवकों की खोज की थी। लेकिन उनका कोई पता नहीं चल पाया था। बताया गया कि 26 जुलाई की रात्रि को डांगतोली निवासी अंकू रोतेला(23) अपने मैक्स पिकअप चालक प्रदीप(24)के साथ कर्णप्रयाग की ओर से नारायणबगड़ आ रहा था। इस दौरान भारी बारिश के बीच पहाड़ी से हुए भूस्खलन की चपेट में आकर दोनों वाहन समेत लापता हो गए थे। पुलिस को अंदेशा है कि वाहन समेत दोनों लोग उफनती पिंडर नदी में बह गए है।

डॉ तरुण मित्तल के निशुल्क शिविर में उमड़ी भारी भीड़, 270 से ज्यादा का हुआ टेस्ट

मो.सलीम सैफी
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून,25 अगस्त।आश्रय स्किन एंड लेजर क्लिनिक देहरादून द्वारा निःशुल्क त्वचा रोग चिकित्सा शिविर का आयोजन उत्तराखंड के प्रसिद्ध त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉक्टर तरुण मित्तल जी द्वारा त्वचा रोग से संबंधित रोगियों का परीक्षण किया गया । शिविर में 270 से अधिक मरीजों का परीक्षण किया गया एवं मरीजों को निःशुल्क दवा भी वितरित की गयी । डॉक्टर तरुण मित्तल जी ने बताया ज्यादातर मरीजों में फंगल इन्फेक्शन ,मुंहासे, झाइयां व धूप से एलर्जी पाई गई। डॉक्टर तरुण मित्तल जी ने बताया कि ऐसे में सावधानी बरतने की जरूरत है । इसके साथ एक आवश्यक सलाह दी कि अपना बदन सुखाकर रखें एवम बाहर निकलते समय सनस्क्रीम काप्रयोग करें। गढ़ी कैंट के सामाजिक कार्यकर्ता श्री अनिल मोटे जी, वरिष्ट समाजसेवी एवं पूर्व पार्षद सचिन गुप्ता जी ,पीआरओ अश्वनी बालियान, संजीव मेंदीरत्ता , वर्षा, तानी, सचिन,गोपी संदीप कपूर, शुभांगी, नीलू, बरखा, नितिका,राजीव त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

जनपद चमोली के दौरे पर पहुंचे कार्यक्रम क्रियान्वयन सचिव ने की आपदा राहत कार्यो की समीक्षा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चमोली। उत्तराखंड शासन में कार्यक्रम क्रियान्वयन सचिव दीपक कुमार गैरोला ने शनिवार को पीपलकोटी जीएमवीएन गेस्ट हाउस में अधिकारियों की बैठक लेते हुए विगत वर्ष 2023 में पीपलकोटी एवं जिले के अन्य क्षेत्रों में आपदा से हुई क्षति, राहत एवं पुनर्वास कार्यो की प्रगति समीक्षा की।

उन्होंने विभागीय अधिकारियों को आपदा प्रभावित क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं को यथाशीघ्र बहाल करने के निर्देश दिए। सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता ने बताया कि नगर पंचायत पीपलकोटी क्षेत्र में विगत वर्ष बादल फटने के कारण तीन नालों में पानी का बहाव ओवरफॉल होने से कुछ लोगों के घर और दुकानों में मालवा घुस गया था। वहीं अगथला में एक व्यक्ति की मृत्यु हुई थी। तीनों नालों के सुरक्षात्मक कार्य हेतु डीपीआर तैयार कर शासन को भेजी गई थी। जिसमें से मेहर गांव से मायापुर एनएच तक आने वाले नाले की डीपीआर पर आपत्ति लगी हैं। आपत्ति का निराकरण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि नहर निर्माण में आ रही भूमि का अधिग्रहण भी किया जाना है, जिस हेतु तहसील स्तर पर समिति गठित की जानी है। जिस पर सचिव ने एसडीएम एवं सिंचाई विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि 27 अगस्त 2024 तक समिति गठित कर भूमि अधिग्रहण हेतु अग्रिम कार्रवाई शीघ्र पूरी की जाए।

जल निगम के अधिशासी अभियंता ने बताया कि पीपलकोटी क्षेत्र में पेयजल जल समस्या को दूर करने के लिए 28 करोड़ की पंपिंग पेयजल योजना का प्रस्ताव तैयार किया गया है। जिसमें टीएचडीसी डैम से नगर क्षेत्र को पेयजल आपूर्ति की जाएगी। प्रस्तावित डीपीआर में आपत्ति का निराकरण किया जा रहा है। सचिव ने निर्देश दिए कि आपत्ति का शीघ्र निराकरण किया जाए। पीपलकोटी क्षेत्र में पेयजल की समस्या का स्थायी समाधान होने तक पेयजल आपूर्ति की वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

सचिव ने नगर पंचायत पीपलकोटी, बिरही और भीमतला क्षेत्र तक सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट लगाने हेतु नगर पंचायत और जल निगम को संयुक्त सर्वेक्षण कर शीघ्र रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। सचिव ने विद्युत विभाग के अधिकारियों से पीपलकोटी क्षेत्र में विद्युत कटौती की समस्या के संदर्भ में भी जानकारी ली और विद्युत कटौती की समस्या को दूर करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिले के हर क्षेत्र में समय-समय पर जन अदालत का आयोजन करते हुए आम लोगों की शिकायतों का त्वरित निस्तारण किया जाए। सचिव ने नगर पंचायत के अधिकारियों को निर्देश दिए कि डोर-टू-डोर कूडा क्लेक्शन और कूड़े का सोर्स सेग्रीगेशन किया जाए। नगर क्षेत्र को स्वच्छ एवं साफ बनाए रखने के लिए नगर वासियों को जागरूक किया जाए।

बैठक में उप जिलाधिकारी आरके पांडेय, विद्युत, जल निगम व सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता, नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी सहित सभी संबधित अधिकारी मौजूद थे।

अगस्त्यमुनि टापू में फंसे व्यक्ति को एसडीआरएफ ने बचाया

रुद्रप्रयाग। रविवार को अगस्त्यमुन मे मंदाकिनी नदी में टापू में फंसे एक व्यक्ति को एसडीआरएफ की टीम ने बचा लिया। नदी में फंसे युवक को रेस्क्यू कर सुरक्षित बाहर निकाला गया। रविवार सुबह अगस्त्यमुनि थाने को सूचना दी गई कि गंगानगर में मंदाकिनी नदी का जल स्तर बढ़ने से टापू में एक व्यक्ति फंसा है जिसे निकालने के लिए एसडीआरएफ की जरूरत है। सूचना पर पोस्ट अगस्त्यमुनि से एसडीआरएफ टीम उपनिरीक्षक भगत सिंह कंडारी के नेतृत्व में मय रेस्क्यू उपकरणों के घटनास्थल पहुंची। एसडीआरएफ टीम द्वारा घटनास्थल पर त्वरित रेस्क्यू की कार्यवाही शुरू की गई। टापू में फंसे व्यक्ति 31 वर्षीय राम प्रसाद निवासी नेपाल को रोप के माध्यम से रेस्क्यू कर सकुशल बाहर निकाला गया।

संस्कृत शिक्षकों ने मांगा पर्याप्त मानदेय

रुद्रप्रयाग। संस्कृत विद्यालयों में शिक्षकों ने अल्प मानदेय मिलने को लेकर जनपदीय संस्कृत शिक्षक संघ के शिष्टमंडल ने शनिवार को संस्कृत शिक्षा सचिव दीपक कुमार से मुलाकात कर वार्ता की। उन्होंने इस संबंध में शीघ्र आवश्यक कार्यवाही किए जाने की मांग की। जबकि संस्कृत सचिव ने शिक्षकों को मांगों पर उचित कार्यवाही का भरोसा दिया। जनपदीय संस्कृत शिक्षक संघ के अध्यक्ष जयप्रकाश गौड के नेतृत्व में शिष्टमंडल ने जनपद दौरे पर पहुंचे संस्कृत शिक्षा सचिव दीपक कुमार से भेंटवार्ता की। शिक्षकों ने कहा कि वह विगत एक दशक से संस्कृत विद्यालय एवं महाविद्यालय में कई वर्षों से अल्प मानदेय पर कार्य कर रहे हैं। प्रबंधकीय संस्कृत अध्यापकों की अथक प्रयास से ही वर्तमान में संस्कृत विद्यालय महाविद्यालय जीवित है। संस्कृत एवं संस्कृति संरक्षण संवर्धन के लिए अध्यापकों ने अपना जीवन विद्यालयों के लिए समर्पित कर दिया है।

संक्षिप्त खबरें

बदरीनाथ नेशनल हाईवे पागल नाले में दस बजे खुला

चमोली। शनिवार रात शुरू हुई मूसलाधार बारिश के कारण बदरीनाथ नेशनल हाईवे टंगणी पागलनाले में पहाडी से भारी मलबा और बोल्डर आने के कारण सुबह लगभग पांच बजे बंद हो गया था। यहां पर लगभग 20 मीटर सड़क बहने के कारण सभी प्रकार के वाहनों की आवाजाही ठप हो गई थी। जिसके बाद नेशनल हाईवे अथॉरिटी की मशीनों ने यहां पर सड़क को सुचारू करने का कार्य शुरू किया व बह गई सड़क के उपरी भाग से नई सड़क काटकर मलबा व बोल्डरों को हटाकर सुबह 10 बजे मार्ग को यातायात के लिए बहाल किया। इस दौरान जोशीमठ से ऋषिकेश, देहरादून और हरिद्वार जाने वाले वाहनों व अन्य शहरों से बदरीनाथ हेमकुंड की यात्रा में आने वाले तीर्थयात्रियों को यहां पर विविध परेशानियों से दो चार होना पड़ा।

अनसूया प्रसाद भट्ट पंचतत्व में विलीन

चमोली। बदरीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति के पूर्व अध्यक्ष और भाजपा के वरिष्ठ नेता अनसूया प्रसाद भट्ट रविवार को पंचतत्व में विलीन हो गए। उनकी अंत्येष्टि बालखिला और अलकनंदा नदी के संगम पर उनके पैतृक घाट पर की गई। अनसूया प्रसाद भट्ट की चिता को उनके ज्येष्ठ पुत्र दीपक भट्ट और छोटे बेटे आशुतोष भट्ट ने मुखाग्नि दी। उनकी अंत्येष्टि में बड़ी संख्या में सभी दलों के लोगों के साथ साथ आम जनता भी शामिल हुई। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व राज्य सभा सांसद महेंद्र भट्ट, भाजपा के जिलाध्यक्ष रमेश मैखुरी, केदारनाथ के पूर्व विधायक मनोज रावत , गोपेश्वर नगर पालिका केज़पूर्व अध्यक्ष संदीप रावत, कांग्रेस के नेता गोविन्द सिंह सजवाण, पत्रकार, समाज सेवी, सीटू के अध्यक्ष मदन मिश्रा, बीकेटीसी के कर्मचारी समेत बड़ी संख्या में लोगों ने अनसूया प्रसाद भट्ट की अंत्येष्टि में शामिल होकर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

गांधीनगर में बोल्डर खिसकने से 10 परिवार खतरे की जद में, एक मकान आंशिक क्षतिग्रस्त हुआ

चमोली। जोशीमठ में रात्री को पिछले कई दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश के कारण अब नगर में कटाव बढ़ने लगा है। नगर के सिंहधार, सुनील, मनोहरबाग के बाद अब गांधीनगर वार्ड में ढलानों में अटके बोल्डर खिसकने लगे हैं जिस कारण आसपास के घरों को खतरा पैदा हो गया है। शनिवार रात्री हुई भारी बारिश के कारण गांधीनगर में अनीता देवी के घर के उपर भारी कटाव शुरू हो गया है व इस कटाव के कारण जमीन के अंदर दबा हुआ एक बोल्डर खिसककर नीचे आ गया है। इस बोल्डर के नीचे गिरने के कारण अनीता देवी का आंगन व मकान आंशिक क्षतिग्रस्त हुआ है। स्थानीय निवासी सतेन्द्र नखोलिया ने बताया हैं कि बोल्डर अनीता देवी के आंगन की दीवार में अटक गया है। यदि दीवार टूटती है तो यह बोल्डर नीचे की ओर स्थित 10 से अधिक मकानों को क्षतिग्रस्त करेगा। कहते हैं कि स्थानीय लोगों ने नगर पालिका से जल्द इस बोल्डर को तोड़ने की गुहार लगाई है।

29 साल की उम्र में लिया रिस्क, एक कमरे से शुरुआत, 25 हजार से बनाया 6500 करोड़ का कारोबार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 26 अगस्त : 29 साल की उम्र थी और जेब में थे 25000 लेकिन सपना था करोड़ों कमाने का...ये कहानी उस लड़के की है जो आज देश का एक मशहूर उद्योगपति है. एलकार्गो लॉजिस्टिक्स के फाउंडर शशि किरण शेट्टी की सक्सेस स्टोरी उन लाखों युवा उद्यमियों के लिए एक प्रेरणा है जो बिजनेस में बुलंदियों पर पहुंचना चाहते हैं. महज 29 साल की उम्र में मात्र 25,000 रुपये से अपना व्यवसाय शुरू करने वाले शशि करण शेट्टी, आज ऑलकार्गो ग्रुप के मालिक हैं. एक वक्त था जब फैमिली बिजनेस बंद होने पर उन्हें नौकरी की तलाश में मुंबई आना पड़ा और यह उनके करियर का टर्निंग प्वाइंट साबित हुआ. कई नौकरियां करने के बाद शशि किरण शेट्टी ने साल 1994 में ऑलकार्गो लॉजिस्टिक लिमिटेड की शुरुआत की. आज यह ग्रुप दुनिया का सबसे बड़ा LCL (लो कंटेनर लोड) कंसोलिडेटर है. इस कंपनी का रेवेन्यू लगभग 13,000 करोड़ रुपये है।

बेंगलुरु में पढ़ाई के बाद शशि किरण शेट्टी नौकरी की तलाश में मुंबई आ गए. लेकिन, मुंबई में नौकरी के लिए उन्हें काफी चक्कर काटने पड़े. एक दिन जॉब की तलाश में वह डॉक यार्ड पहुंच गए. उन्हें पता नहीं था कि जहां वे नौकरी मांगने गए हैं एक दिन उसी सेक्टर के बेताज बादशाह बन जाएंगे. इस सेक्टर में शशि किरण शेट्टी ने नौकरी की शुरुआत एक छोटी शिपिंग कंपनी से की. इसके बाद वे टाटा की फोर्ब्स गोकाक में आ गए. इस दौरान उनकी पहचान इस सेक्टर के

बड़े लोगों से होने लगी. शशि किरण शेट्टी ने काम की हर बारीकी को समझा.टाटा की फोर्ब्स में नौकरी करते हुए शशि किरण शेट्टी को चार साल हो गए. उन्होंने सैलरी से बचाकर 25 हजार रुपये जमा करने के बाद अपना बिजनेस करने का फैसला लिया. नौकरी छोड़कर बिजनेस में उतरने का यह फैसला उनके लिए मील का पत्थर साबित हुआ, क्योंकि आज वे 6500 करोड़ की कंपनी के मालिक बन गए.शशि किरण शेट्टी ने शुरुआत में मुंबई के डिमेलो रोड पर स्थित व्यापार भवन में एक कमरे का ऑफिस खोला. इसमें स्टाफ के तौर पर गिनती के 4 लोग थे. अपनी जान-पहचान के ट्रांसपोर्टर्स से कुछ ट्रक किराए पर लिए और इनके जरिए जहाज तक माल पहुंचाने का काम शुरू किया.इस तरह उन्होंने ट्रांस इंडिया फ्राइट सर्विसेज की शुरुआत की और इस कंपनी को ऑलकार्गो लॉजिस्टिक में तब्दील कर दिया. आज की तारीख ऑलकार्गो ग्रुप के देशभर में 4000 से ज़्यादा कर्मचारी हैं और 180 देशों में इसके दफ़्तर हैं. कंपनी 2,400 से ज़्यादा डायरेक्ट ट्रेड रूट के साथ 530 डेस्टिनेशन तक अपनी सेवाएं देती है.

ESIC में बिना लिखित परीक्षा के नौकरी पाने का शानदार अवसर, बस चाहिए ये योग्यता

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 26 अगस्त : कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ESIC) में नौकरी नौकरी की तलाश कर रहे उम्मीदवारों के लिए एक बेहतरीन अवसर है. इसके लिए ईएसआईसी ने विभिन्न विभागों में असिस्टेंट प्रोफेसर के पदों के लिए वैकेंसी निकाली है. उम्मीदवार जो भी इन पदों पर आवेदन करने के लिए इच्छुक और योग्य हैं, वे ईएसआईसी की आधिकारिक वेबसाइट esic.gov.in पर जाकर अप्लाई कर सकते हैं. इन पदों के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है.

ईएसआईसी के इस भर्ती के जरिए कुल 18 पदों पर बहाली की जाने वाली है. अगर आप भी ईएसआईसी में काम करने के इच्छुक हैं, तो 7 सितंबर तक या उससे पहले आवेदन कर सकते हैं. उम्मीदवारों जो भी यहां नौकरी करने की सोच रहे हैं और अप्लाई करना चाह रहे हैं, तो सबसे पहले नीचे दिए गए इन बातों को ध्यान से पढ़ें.ईएसआईसी भर्ती 2024 के जरिए विभिन्न विभागों में असिस्टेंट प्रोफेसर के पदों के लिए अवसर खुले हैं. इसके बारे में नीचे विस्तार से देख सकते हैं। उम्मीदवार जो भी इन पदों के लिए आवेदन करने का

मन बना रहे हैं, उन उम्मीदवारों की आयुसीमा कम से कम 69 वर्ष होनी चाहिए. तभी वे आवेदन करने के लिए योग्य माने जाएंगे.

ईएसआईसी के इस भर्ती के जरिए जो भी अप्लाई करना चाहते हैं, उनके पास आधिकारिक नोटिफिकेशन में दिए गए संबंधित योग्यता होनी चाहिए. उम्मीदवार जो भी ईएसआईसी भर्ती 2024 के लिए आवेदन कर रहे हैं, उन्हें आवेदन शुल्क के तौर पर निम्नलिखित भुगतान करना होगा.आधिकारिक नोटिफिकेशन के अनुसार जिस किसी भी उम्मीदवार का चयन इन पदों के लिए होता है, उन्हें सैलरी के तौर पर 67700 रुपये मंथली सैलरी और अन्य भत्ते दिए जाएंगे. ईएसआईसी भर्ती 2024 की आधिकारिक नोटिफिकेशन के अनुसार उम्मीदवारों का चयन इंटरव्यू के आधार पर किया जाएगा. चयन प्रक्रिया में भाग लेने के लिए उम्मीदवारों को कोई टीए/डीए का भुगतान नहीं किया जाएगा ,

उत्तराखंड में रोबोट करेगा ज्वाइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 26 अगस्त : मैक्स अस्पताल ज्वाइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी शुरू करने वाला पहला अस्पताल बन गया है जिसकी जानकारी चिकित्सकों ने मीडिया को दी। मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल ने एक नई सर्जिकल रोबोट प्रणाली की शुरुआत की है, जो विशेष रूप से ज्वाइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी के लिए डिज़ाइन की गई है।

इस नई तकनीक के साथ मैक्स हॉस्पिटल देहरादून का पहला अस्पताल बन गया है जो रोबोटिक ज्वाइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी की पेशकश करता है। यह माको सर्जिकल रोबोट सर्जन को अधिक सटीकता और बेहतर योजना बनाने की सुविधा प्रदान करता है जिससे मरीजों को उच्च गुणवत्ता की देखभाल मिलती है ।यूनिट हेड और सीनियर वाइस प्रेसिडेंट-ऑपरेशंस, डॉ. संदीप सिंह तंवर ने कहा कि यह नई प्रणाली मरीजों के इलाज में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो बेहतर

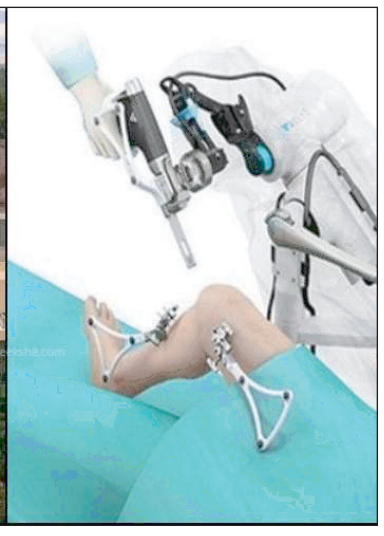

परिणाम और तेजी से स्वास्थ्य लाभ सुनिश्चित करती है। आम ज्वाइंट रिप्लेसमेंट प्रक्रियाओं की तुलना में यह रोबोटिक तकनीक कम चीरे, अधिक सटीकता और तेज रिकवरी समय प्रदान करती है। इससे जटिल ज्वाइंट समस्याओं से पीड़ित मरीजों के इलाज में सुधार होता है और सर्जरी की सफलता दर बढ़ती है।

संक्षिप्त खबरें

स्वतंत्रता सेनानी और उनके उत्तराधिकारियों के मार्गदर्शन में आगे बढ़ेगी कांग्रेस: करन माहरा

हरिद्वार। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने चिंता व्यक्त की कि आज भारत के पड़ोसी देशों द्वारा देश की सीमाओं पर जिस प्रकार का माहौल बनाया जा रहा है, वह गम्भीर विषय है, जिसपर ध्यान देना जरूरी है। हालांकि भारत के वीर सैनिक देश की सीमाओं की रक्षा के लिए सदैव तत्पर हैं। उन्होंने कांग्रेस के उन तमाम सेनानियों को बधाई दी जो कांग्रेस के मूल्यों के लिए गली-गली, गांव-गांव अलख जगाये रखने को काम कर रहे हैं। शहीद जगदीश वत्स के भांजे एवं कार्यक्रम के संचालक गोपाल नारसन ने स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारियों को लोकतंत्र सेनानियों से अधिक सम्मान पेंशन देने व विधान मंडल व संसद में स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारियों को प्रतिनिधित्व देने की मांग की। कांग्रेस सीडब्ल्यूसी के सदस्य और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने भी स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारियों को अपना समर्थन देते हुए राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका को वंदनीय बताया।

पांवधोई में कई युवाओं ने ली आम आदमी पार्टी की सदस्यता

हरिद्वार। प्रदेश उपाध्यक्ष आजाद अली ने कहा कि आम आदमी पार्टी आगामी नगर निगम चुनाव को लेकर पूरी तरह तैयार है। जिसको लेकर पार्टी ने सभी आवश्यक तैयारी कर ली है। दावा किया कि आम आदमी पार्टी का जनाधार लगातार बढ़ रहा है। प्रेम सिंह ने कहा कि आम आदमी पार्टी शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार की राजनीति करती है। इस अवसर पर निवर्तमान महानगर अध्यक्ष अनिल सती, निवर्तमान जिला अध्यक्ष महिला मोर्चा ममता सिंह, निवर्तमान जिला अध्यक्ष युवा मोर्चा राकेश लोहाट, धीरज पीटर, अमनदीप, शाहीन अशरफ, अकरम, पवन कुमार, पवन वर्मन, आरिफ पीर, मयंक गुप्ता, शुभम सैनी, सागर तेश्वर, सुरेंद्र शर्मा, राव तनवीर, कुर्बान अली, सोहेल, अभिषेक, अक्षय सैनी आदि मौजूद रहे।

ठेकेदारों ने टेंडरों का किया बहिष्कार, विरोध में किया प्रदर्शन

अल्मोड़ा(आरएनएस)। लंबित मांगों पर कार्यवाही नहीं होने से गुस्साए पर्वतीय ठेकेदार संघ से जुड़े ठेकेदारों ने शनिवार को निविदाओं का बहिष्कार किया। इस दौरान निर्माण खंड, लोक निर्माण विभाग कार्यालय परिसर में जोरदार प्रदर्शन किया। ठेकेदारों ने मांगों पर सकारात्मक कार्यवाही नहीं होने पर आगे भी निविदाओं का बहिष्कार करने व उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है। निर्माण खंड, लोनिवि द्वारा जनपद की तीन अलग-अलग सड़कों के लिए डामरीकरण, सुधारीकरण व सीसी निर्माण की सिंगल बिड सिस्टम के तहत ई निविदा आमंत्रित की थी। सभी ठेकेदार निर्माण खंड कार्यालय परिसर में एकत्रित हुए। यहां सभी ने एकमत होकर निविदाओं का बहिष्कार करते हुए जोरदार प्रदर्शन किया। पर्वतीय ठेकेदार संघ के महासचिव सुरेंद्र सिंह बेलवाल ने कहा कि ठेकेदार संघों द्वारा पूरे प्रदेशभर में निविदाओं का बहिष्कार किया जा रहा है। 19 सूत्रीय मांगों को लेकर मंत्रियों व स्थानीय विधायकों के माध्यम से सीएम को पत्र भेजा गया है। जिसमें मुख्य रूप से 5 करोड़ तक के काम सिंगल विंडो सिस्टम से स्थानीय ठेकेदारों को देने, रजिस्ट्रेशन नियमों का शिथिलीकरण करने व समय सीमा 5 वर्ष रखने, एसओआर दरों को प्रतिवर्ष महंगाई की दर के अनुरूप बढ़ाने, राज्य सरकार द्वारा सभी निर्माणाचार्यों का बीमा कराने तथा आकस्मिक मृत्यु पर उचित मुआवजा दिए जाने, रॉयल्टी की दरों को कम करने समेत अन्य मांगें शामिल है। कहा कि जब तक मांगें पूरी नहीं होती आगे भी टेंडरों का बहिष्कार किया जाएगा। और जरूरत पड़ी तो ठेकेदार आंदोलन करने से भी पीछे नहीं हटेंगे। प्रदर्शन के दौरान वालों में पर्वतीय ठेकेदार संघ के उपाध्यक्ष अकरम खान, कोषाध्यक्ष जगदीश भट्ट, उपसचिव जितेंद्र सिंह सिंग्वाल, ललित मेहता, संदीप श्रीवास्तव, सुंदर सिंह, कुंदन सिंह बिष्ट, संतोष बिष्ट, सुंदर सिंह सिजवाली, हरीश भट्ट, जीवन सिंह मेहरा, पूरन चंद्र, विजय सिंह, राजेंद्र सिंह, महेश सिंह समेत कई ठेकेदार मौजूद रहे।

पूर्व विधायक प्रत्याशी समेत 05 पर मारपीट में मुकदमा, 02 गिरफ्तार

अल्मोड़ा(आरएनएस)। मेडिकल कॉलेज में भवनों का निर्माण कार्य कर रही एक कंपनी के जनरल मैनेजर से मारपीट का मामला सामने आया है। कंपनी के जीएम ने शुक्रवार को कोतवाली में मारपीट करने, सरकारी काम में बाधा पहुंचाने और धमकाने के आरोप में पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस से मिली जानकारी अनुसार अल्मोड़ा कोतवाली में कंपनी के जीएम सतीश त्यागी ने तहरीर सौंपी है। कहना है कि 21 अगस्त की रात साढ़े दस बजे उनका स्टोर सहायक आशीष शुक्ला किसी काम से बाहर आया। इस पर दूसरी कंपनी के तीन सुरक्षा गार्ड ने नशे की हालत में स्टोर सहायक के साथ मारपीट की और मोबाइल छीन लिया। दूसरे दिन आशीष जीएम की मध्यस्थता में मोबाइल वापस दिलवाया गया। लेकिन कुछ देर बाद ही ही आरोपी सुरक्षा गार्ड अपने साथ स्थानीय लोगों ने ऑफिस में आकर गाली-गलौज की और कम्पनी का काम को भी बंद करने को कहा।

पीएम मोदी ने यूक्रेन पहुंचकर दिया दुनिया को वसुधैव कुटुंबकम का संदेश

सरफराज सैफी न्यूज़ एंकर/ वरिष्ठ पत्रकार
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हम एक गतिशील विश्व में रह रहे हैं। इसलिए भारत की विदेश नीति सक्रिय, लचीलें और व्यावहारिक होने के लिए तैयार है ताकि उभरती स्थितियों का सामना करने के लिए त्वरित समायोजन किया जा सके। हालांकि, अपनी विदेश नीति के कार्यान्वयन में भारत निरपवाद रूप से बुनियादी सिद्धांतों का पालन करता है जिस पर कोई समझौता नहीं किया जाता है।भारत की विदेश नीति का उद्देश्य-किसी अन्य देश की तरह-अपने राष्ट्रीय हितों को सुरक्षित करना है। ₹राष्ट्रीय हितों₹ का दायरा काफी व्यापक है। क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए हमारी सीमाओं की सुरक्षा, सीमा पार आतंकवाद का मुकाबला करना, ऊर्जा सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा, साइबर सुरक्षा अर्थात भारत को पारंपरिक और गैर-पारंपरिक खतरों से बचाना है।राजनीति में एक दिन भी काफी लंबा समय हो सकता है, लेकिन विदेश नीति में एक दशक को भी अक्सर गंभीर मूल्यांकन के लिहाज से पर्याप्त नहीं माना जाता ।हालांकि, पिछला दशक इस मामले में अपवाद रहा है. इस दौरान वैश्विक राजनीति में आए बदलावों की प्रकृति तो खास है ही, इनका दायरा भी व्यापक रहा है।

ऐसे में भारतीय विदेश नीति में भी बुनियादी बदलाव आना स्वाभाविक है। लेकिन विदेश नीति में आए इन बदलावों पर वैश्विक हालात और समीकरणों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की व्यक्तिगत भागीदारी की भी अमिट छाप नजर आती है।मोदी 'इंडिया फर्स्ट' के मंत्र को केंद्र में रखते हुए एक व्यावहारिक विदेश नीति को अपनाकर विरोधियों और समर्थकों दोनों को चौंकाने में कामयाब रहे।उन्होंने भारतीय विदेश नीति को ऐसा रूप दिया, जिसके बारे में पहले शायद ही किसी ने कल्पना की हो।पीएम मोदी की अगुवाई में सबसे बड़ा बदलाव यह आया कि वैश्विक मंच पर न केवल अहम भूमिका निभाने बल्कि रूल मेकर के रोल में आने की नई दिल्ली की आकांक्षा लगातार मजबूत होती गई। वैश्विक मंच पर मोदी की कूटनीति ने भारतीय आकांक्षाओं को नए पंख दिए।इसका नतीजा यह हुआ कि पिछले दशक तक वैश्विक मामलों में अहम भूमिका की पेशकश ठुकराने वाला देश एक ऐसे राष्ट्र में तब्दील हो गया, जो ग्लोबल गवर्नेंस में योगदान करने के लिए हमेशा आगे नजर आता है।एक बेहतरीन उदाहरण तब सामने आया, जब यूक्रेन युद्ध के बीच भारत पश्चिमी देशों के साथ करीबी रिश्ता बनाए रखते हुए रूस से अपने विशिष्ट संबंध भी कायम रखने में कामयाब रहा।

पिछले महीने जब पीएम मोदी रूस के दौरे पर गए थे तब यूक्रेन के पक्ष में खड़े पश्चिमी देशों की निगाहें उन पर टिकी रही थी। अब जब वे यूक्रेन के दौरे पर गए तो फिर एक बार दुनिया उनकी तरफ देख रही है। पहले जहां रूस ने यूक्रेन पर भीषण हमले करके उसे तबाह कर दिया, वहीं अब यूक्रेन ने आक्रामक हमले करके रूस के अंदर कुछ क्षेत्रों पर अपना नियंत्रण कर लिया है। इस स्थिति में रूस की ओर से यूक्रेन के खिलाफ बड़े हमले किए जाने की आशंका बनी हुई है।पीएम मोदी शुक्रवार को यूक्रेन के दौरे पर पहुंचे और वहां उन्होंने जेलेंस्की से मुलाकात की।पीएम मोदी और जेलेंस्की की तस्वीरों में, उनका आत्मीयतापूर्ण मिलन, उनकी बॉडी लेंग्वेज कई संदेश देने वाली रही।राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की के साथ बैठक में मोदी ने कहा, ₹भारत हमेशा से शांति के पक्ष में रहा है। मैं कुछ दिन पहले रूस के राष्ट्रपति पुतिन से मिला था। तब मैंने मीडिया के सामने उनकी आंख से आंख मिलाकर कहा था कि यह युद्ध का समय नहीं है।₹प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि यूक्रेन और रूस के बीच युद्ध में भारत 'शांति के लिए दृढ़ता से खड़ा है।' उन्होंने कहा, 'हम पहले दिन से ही तटस्थ नहीं थे, हमने एक पक्ष लिया है और हम शांति के लिए दृढ़ता से खड़े हैं।'

मोदी और जेलेंस्की के बीच यूक्रेन के मैरिंस्की पैलेस में करीब 3 घंटे बैठक हुई। उन्होंने जेलेंस्की को भारत आने का न्योता दिया।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपनी बैठक को यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने बहुत अच्छी बताया। उन्होंने कहा, 'यह एक ऐतिहासिक बैठक है। मैं प्रधानमंत्री के आने के लिए उनका बहुत आभारी हूं। कुछ व्यवहारिक कदमों के साथ यह एक अच्छी शुरुआत है। बैठक के बाद विदेश मंत्री एस जयशंकर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि दोनों नेताओं ने भारत के रूस से तेल खरीदने पर भी बात की। जयशंकर ने कहा, ₹तेल खरीदी का फैसला मार्केट की हालत के हिसाब से लिया जाता है। इसके पीछे कोई राजनीतिक कारण नहीं है।₹इससे पहले मोदी जेलेंस्की के साथ यूक्रेन नेशनल म्यूजियम पहुंचे, जहां उन्होंने जंग में मारे गए बच्चों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने बच्चों के मेमोरियल पर डॉल भी रखी।1991 में सोवियत संघ के टूटने के बाद यूक्रेन का गठन हुआ था। तब से आज तक किसी भी भारतीय प्रधानमंत्री ने यूक्रेन का दौरा नहीं किया था। दोनों देशों के बीच 1992 में राजनयिक संबंध स्थापित हुए थे। भीषण युद्ध की विभीषिका झेलते एक देश का दर्द और हमेशा से शांति के पक्षधर रहे दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश की सांत्वना...एक ऐसे त्रिकोण पर जहां एक कोने पर यूक्रेन है, दूसरे पर उसका दुश्मन रूस और तीसरे पर भारत, जो कि रूस का बहुत पुराना दोस्त है और यूक्रेन से भी जिसके सुसंबंध पुराने हैं। पीएम नरेंद्र मोदी ने जुलाई में रूस का दौरा किया था और अब अगस्त में वे यूक्रेन के दौरे पर पहुंच गए।

उनके इन दोनों देशों के दौरे ऐसे वक्त पर हो रहे हैं जब रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष के हालात 10 साल से बने हुए हैं और फरवरी 2022 से युद्ध लगातार चल रहा है। भारत के रूस और यूक्रेन से गहरे व्यापारिक संबंध हैं। भारत रूस से हथियार कई दशकों से लेता रहा है। रूस यूक्रेन युद्ध और इजरायल-हमास युद्ध शुरू होने व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल के दाम बढ़ने के बाद से भारत रूस के सस्ता कच्चा तेल भी ले रहा है। दूसरी तरफ पिछले 25 वर्षों से भारत और यूक्रेन के व्यापारिक रिश्तों में भी गतिशीलता बनी हुई है। दोनों देशों के बीच वित्तीय वर्ष 2021-22 में 3.3 अरब डॉलर का कारोबार हुआ। इसी दौरान रूस और भारत के बीच लगभग 50 अरब डॉलर का व्यापार हुआ।कूटनीतिक में सबसे बड़ी बात जिसे सभी मानते है कि इसमें राष्ट्रहित सर्वोपरि होता है। कोई भी देश अपनी विदेश नीति किसी सिद्धांत को ध्यान में रख करके बनता है। भारत में दुनिया के सभी देश कि अगर विदेश नीति का सूक्ष्म विश्लेषण किया जाए तो सभी देशों के लिए राष्ट्र हित ही सबसे होता है। भारत की विदेश नीति में एक बात जो निरंतर से है कि वह किसी भी गुट में नहीं रहता और सभी गुट भारत को अपने पाले में रखना चाहते हैं ।

पीएम नरेंद्र मोदी की पिछले लगभग 11 साल के कार्यकाल में भारत की विदेश नीति में और प्रखरता आई है और सभी गुट भारत को अपने पक्ष में करना चाहते हैं। इसके साथ ही साथ है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बाद एक दूसरे के विरोधी देश और खेमा दोनों ही सुनता है। रूस यूक्रेन जंग के संदर्भ में पीएम नरेंद्र मोदी की वैश्विक प्रासंगिकता और उनकी कूटनीति को दुनिया ने देखा है। कुछ ही महीनो के अंतराल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का रूस और यूक्रेन का दौरान करना पीएम नरेंद्र मोदी और भारत की वैश्विक महत्ता और उनकी वैश्विक नेता के तौर पर उभरने को दर्शाता है। इसके साथ ही साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रूस दौरे में किसी भी मामले की शांतिपूर्ण समाधान की वकालत को दोहराना उनकी स्पष्ट विदेश नीति को बताता है।स्पष्ट है की हालिया दिनों में भारत की वैश्विक धमक बढ़ी है और पीएम नरेंद्र मोदी ने अपने देश हित को सर्वोपरि रखा है। इसके साथ ही वसुधैव कुटुम्बकम वाली विदेश नीति को चरितार्थ करने का प्रयास किया है।

पत्रकारों के लिए लोकसभा में लायेंगे प्राईवेट मेम्बर बिल : इमरान मसूद

डिस्ट्रिक्ट प्रेस क्लब ने किया नवनिर्वाचित सांसद इमरान मसूद का अभिनन्दन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

सहारनपुर , 26 अगस्त , सांसद इमरान मसूद ने कहा कि वह पत्रकारों की सुरक्षा से सम्बन्धित कानून बनाने के लिए लोकसभा में प्राईवेट मेम्बर बिल लायेंगे, ताकि देश में मीडिया से जुडे पत्रकार बेखौफ होकर अपना काम कर सकें। सांसद इमरान मसूद आज यहां चकरौता रोड स्थित डिस्ट्रिक्ट प्रेस क्लब के मुख्य संरक्षक जावेद साबरी के आवास पर आयोजित अपने स्वागत व सम्मान समारोह को बतौर मुख्य अतिथि सम्बोधित कर रहे थे। उन्होनें कहा कि आज देश में पत्रकारों के उपर लगातार हमले हो रहे हैं तथा मीडिया को दबाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होनें कहा कि वह लोकसभा में प्राईवेट मेम्बर बिल लायेंगे ताकि समूचे देश का ध्यान इस ओर आकर्षित किया जा सके और पत्रकारों की सुरक्षा, पेंशन आदि मामलों का समाधान कराया जा सके। श्री मसूद ने संसद में पेश किये गये वक्फ बोर्ड संशोधन बिल के बारे में कहा कि वक्फ बोर्ड पर केन्द्र सरकार की नीयत साफ नहीं है।

वक्फ कानून सन-1906 में बनाया गया था और उसमें 1955 में संशोधन किया गया था। उन्होनें कहा कि देश में सेना व रेलवे के बाद वक्फ बोर्ड के पास सर्वाधिक सम्पत्ति है। उन्होनें कहा कि सच्चर आयोग की रिपोर्ट में भी कहा गया है कि वक्फ बोर्ड की सम्पत्ति के किराये से सिर्फ 12 करोड रूपये की आय का अनुमान है जो वर्तमान में 50 करोड रूपये बैठती है। उन्होनें कहा कि यदि ईमानदारी से कार्य किया जाये तो मुस्लिम समाज की विधवाओं व गरीब बच्चों को सरकार से किसी मदद की जरूरत नहीं पड़ेगी। उन्होनें मध्य प्रदेश के छतरपुर में सरकार द्वारा बिल्डिंग पर बुल्डोजर चलवाये जाने की घटना की निंदा करते हुए कहा कि कांग्रेस किसी भी सूरत में बुल्डोजर संस्कृति को बर्दाश्त नहीं करेगी तथा इसके खिलाफ आन्दोलन का बिगुल बजाने का कार्य करेगी।

मसूद ने गंभीर रूप से बीमार लोगों को प्रधानमंत्री/मुख्यमंत्री राहत कोष से सहायता राशि दिलाने तथा देवबन्द व बेहट में प्रत्येक माह 2 बार जनता की समस्या सुनने की भी घोषणा की। कार्यक्रम में डिस्ट्रिक्ट प्रेस क्लब के पदाधिकारियों में मुख्य संरक्षक जावेद साबरी, जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र चौहान व संयोजक अबु बकर शिबली के नेतृत्व में सांसद इमरान मसूद को अंगवस्त्र पहनाकर व स्मृति चित्र भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान क्लब के संरक्षक एम. रियाज हाशमी, कुमार योगेश, डा0 शाहिद जुबैरी, महासचिव सुधीर सोहल, अरविन्द टेबक, मोईन सिद्दीकी, मनोज सिंघल, श्रवण शर्मा, डा0 राकेश गर्ग, आबाद अली शेख, सुरेन्द्र अरोडा, चौ0 धीरज सिंह, राव उस्मान, अश्विनी रोहिला, मनोज मिड्ढा, नरेश गोयल, इन्द्रेश त्यागी, हसनैन जैदी, डा0 मुस्तकीम राव, अशोक शर्मा, नवीन धीमान, नदीम निजामी, सुरेन्द्र अरोडा, दीपक अरोडा, राजकिशोर शर्मा, जैद खान, संजीव खुराना, फहीम उस्मानी, मुशर्रफ, सुनील चौधरी, मनसब अली प्रवेज, विपिन बजाज, गगन गुम्बर, मोहित जसवाल, गौरव बजाज, अनिल कुछाडिया, अमानउल्ला, मदन सिंह राकेश ठाकुर, विशेष गुरेजा, राव अखलाक, रियासत आदि पत्रकार मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जावेद साबरी व संचाल एम. रियाज हाशमी ने किया।

27 अगस्त से 5 सितम्बर तक पंजीकरण को खुलेगा समर्थ पोर्टल : स्वास्थ्य मंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 26 अगस्त , सूबे के उच्च शिक्षण संस्थानों में विभिन्न कारणों से प्रवेश लेने से वंचित रह गये छात्र-छात्राओं को प्रवेश हेतु आखिरी मौका दिया जायेगा। विभागीय अधिकारियों को आगामी 27 अगस्त से 5 सितम्बर 2024 तक पुनः समर्थ पोर्टल खोलने के निर्देश दे दिये गये हैं ताकि प्रवेश से वंचित छात्र-छात्राएं ऑनलाइन पंजीकरण करा सकें। समर्थ पोर्टल पर शैक्षणिक सत्र 2024-25 हेतु स्नताक प्रथम सेमेस्टर के लिये 76030 जबकि परास्तनाक प्रथम सेमेस्टर के लिये 24895 छात्र-छात्राओं ने ऑनलाइन पंजीकरण किया है।

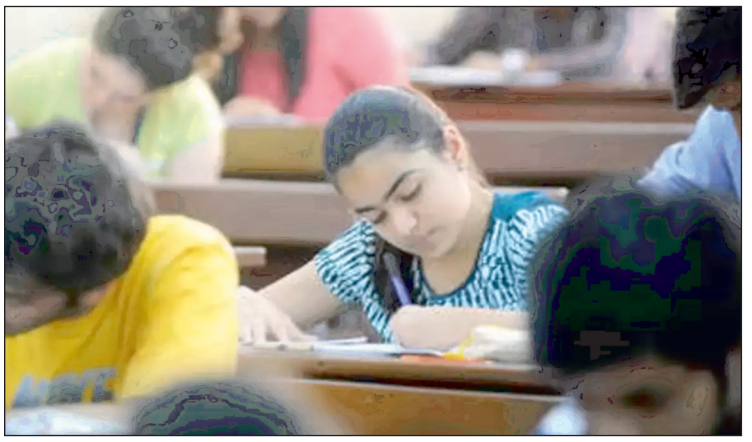

सूबे के उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने बताया कि प्रदेश के उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रवेश से किसी भी युवा को वंचित नहीं रखा जायेगा। उन्होंने बताया कि उत्तराखंड विद्यालय शिक्षा परिषद, सीबीएसई एवं अन्य बोर्डों की परीक्षाफल सुधार परीक्षा में उत्तीर्ण छात्र-छात्राएं, केन्द्रीय विश्वविद्यालयों में प्रवेश से वंचित एवं अन्य कारणों से प्रवेश न ले पाने वाले छात्र-छात्राओं की आवश्यकता को देखते हुए उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत राज्य विश्वविद्यालयों के परिसरों एवं उनसे सम्बद्ध समस्त शासकीय, अशासकीय एवं निजी महाविद्यालयों में स्नातक एवं परास्नातक कक्षाओं में प्रवेश हेतु अंतिम मौका दिया जायेगा। इसके लिये विभगाय अधिकारियों को आगामी 27 अगस्त से 5 सितम्बर 2024 तक दोबारा समर्थ पोर्टल खोलने के निर्देश दे दिये गये हैं। डॉ. रावत ने बताया कि उक्त समयावधि में प्रवेश से वंचित रह गये छात्र-छात्राएं समर्थ पोर्टल पर अपना पंजीकरण करा सकेंगे और उच्च शिक्षण संस्थानों में स्नातक व परास्नातक कक्षाओं में प्रवेश ले सकेंगे। उन्होंने कहा कि प्रवेश से वंचित छात्र-छात्राओं को ऑनलाइन पंजीकरण में कोई समस्या न हो इसके लिये विभागीय अधिकारियों को जरूरी निर्देश दे दिये गये हैं।

विभागीय मंत्री ने बताया कि राजकीय विश्वविद्यालयों में एकरूपता लाने के दृष्टिगत विगत वर्ष समर्थ गवर्नेंस पोर्टल को लागू किया गया। जिसके सकारात्मक परिणाम देखने को मिल रहे हैं। उन्होंने बताया कि शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिये समर्थ पोर्टल पर अबतक स्नातक प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश के लिये कुल 76030 छात्र-छात्राओं ने ऑनलाइन पंजीकरण कराया है। जिसके तहत कुमाऊं विश्वविद्यालय में 31101, श्रीदेव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय 31326 तथा सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय में 13603 छात्र-छात्राएं शामिल हैं। इसी प्रकार परास्नातक प्रथम सेमेस्टर हेतु कुल 24895 छात्र-छात्राओं ने समर्थ पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीकरण कराया है जिसमें कुमाऊं विश्वविद्यालय में 12249, श्रीदेव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय 8193 तथा सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय में 4453 छात्र-छात्राएं शामिल हैं। विभागीय मंत्री ने बताया कि कुल पंजीकरण के सापेक्ष अबतक परास्नातक कक्षा के लिये 9324 तथा स्नातक में 48251 छात्राओं ने प्रवेश लिया है। उन्होंने कहा कि, राज्य सरकार प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुलभ कराने हेतु संकल्पबद्ध है और इस दिशा में सकारात्मक प्रयास किए जा रहे हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि जिन महाविद्यालयों में विश्वविद्यालयों में मानक अनुसार आवश्यक संसाधन उपलब्ध हैं और प्रवेश हेतु छात्र प्रतीक्षारत हैं वहां आवश्यकतानुसार सांध्यकालीन कक्षाओं का भी संचालन किया जायेगा।

संपादकीय

भारत विरोधी कश्मीर की बात

जम्मू-कश्मीर चुनाव के मद्देनजर नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी ने अपने घोषणा-पत्र जारी किए हैं, जो बुनियादी तौर पर भारत-विरोधी लगते हैं। 1950 के दशक में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और शेख अब्दुल्ला की अपनी-अपनी लड़ाइयां और सियासत थी। शेख अब्दुल्ला कश्मीर को 'इस्लामी सूबा' बनाने पर आमादा थे। उन्हें प्रधानमंत्री का दर्जा हासिल था। श्यामा प्रसाद ने 'एक विधान, एक निशान, एक प्रधान' की व्यवस्था के लिए संघर्ष किया। उनकी रहस्यमयी मौत आज भी एक सवाल है। अनुच्छेद 370 खत्म किए जाने से पहले जम्मू-कश्मीर का अपना 'झंडा' था, अपना 'संविधान' था। कश्मीर में सर्वोच्च अदालत के फैसले भी लागू नहीं होते थे। भारतीय दंड संहिता की धाराएं भी निष्प्रभावी थीं। विधानसभा का कार्यकाल 6 साल होता था। रक्षा, विदेश, वित्त आदि मंत्रालय भारत सरकार के अधीन थे, लेकिन उनके अलावा कश्मीर के कानून और व्यवस्थाएं भिन्न थीं। आर्थिक संसाधनों और बजट के लिए जम्मू-कश्मीर भारत सरकार के सहारे ही था। सवाल होते रहते थे कि एक ही राष्ट्र में कश्मीर को यह 'विशेष दर्जा' क्यों हासिल है? दो-दो व्यवस्थाएं कैसे काम कर सकती हैं? मोदी सरकार ने ऐतिहासिक पहल की और 5 अगस्त, 2019 को अनुच्छेद 370 और 35-ए को निरस्त करने का बिल संसद से पारित करा दिया। अब 2024 में विधानसभा चुनावों की घोषणा की गई है, तो पुराने मुद्दों को नए संदर्भों में उठाया जा रहा है। नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी ने अनुच्छेद 370, 35-ए की बहाली का आश्वासन दिया है। जम्मू-कश्मीर के 'अलग झंडे' की बात कही गई है। ऐसा है, तो आने वाली विधानसभा में 'अलग संविधान' का प्रस्ताव भी पारित किया जा सकता है। इसके लिए दलीलें दी जाती रही हैं कि विलय के समझौता-पत्र में उल्लेख था कि कश्मीर का अपना 'अलग झंडा' और 'अलग संविधान' होगा। ये दलीलें कुतर्क हैं, क्योंकि विलय-पत्र में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। सियासतदानों को जरा पढ़ लेना चाहिए। बहरहाल पत्थरबाजों की दोबारा सरकारी नौकरी में बहाली होगी और जेल से सियासी कैदियों की रिहाई की जाएगी। ऐसे कैदियों को माफ भी किया जा सकता है। पाकिस्तान से सटी 'नियंत्रण रेखा' पर कारोबार की नई शुरुआत के साथ-साथ पाकिस्तान के साथ बातचीत और जनसंपर्क भी शुरू किया जाएगा। नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी सोच के स्तर पर पाकपरस्त रही हैं, लेकिन सवाल है कि क्या एक विधानसभा ऐसे मुद्दों को पारित कर सकती है? विदेश और रक्षा नीतियां केंद्र सरकार तय करेगी अथवा संघशासित क्षेत्र की विधानसभा में प्रस्ताव पारित किया जा सकता है? भारतीय संसद ने अनुच्छेद 370 और 35-ए को निरस्त किया था और सर्वोच्च अदालत ने भी उसे 'उचित, संवैधानिक निर्णय' माना था। तो विधानसभा चुनाव में पार्टियां इनकी बहाली और 'विशेष दर्जे' की वापसी का वायदा कैसे कर सकती हैं? यह सवाल नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से पूछा गया था। उनका जवाब था कि आने वाली सर्वोच्च अदालत में कश्मीर की बुनियादी सोच वाले न्यायाधीश भी आ सकते हैं! केंद्र में मौजूदा सरकार की विदाई हो सकती है तथा विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की सरकार बन सकती है! हमने जम्मू-कश्मीर के अवाम को आश्वस्त किया है कि तब तक हम इंतजार करेंगे, लेकिन लड़ाई लगातार लड़ते रहेंगे। हम चुप नहीं बैठेंगे। एक घोषणा-पत्र में कहा गया है कि 'शंकराचार्य के पर्वत' का इस्लामी नाम 'तख्त-ए-सुलिमान' रखा जाएगा। क्या कश्मीर को एक बार फिर 'इस्लामिक' बनाने के मंसूबे हैं? नेशनल कॉन्फ्रेंस तो शेख अब्दुल्ला की ही विरासत है, लिहाजा उनकी सियासत भी वही होगी। पीडीपी ने यहां तक घोषणा की है कि 'जमात-ए-इस्लामी' पर से प्रतिबंध हटा दिया जाएगा। यानी कश्मीर में अलगाववाद, आतंकवाद, हड़ताल और बंद की पुरानी स्थितियों की वापसी के रास्ते तैयार किए जा रहे हैं?

दैनिक न्यूज़ वायरस
संपादक : मौ.सलीम सैफी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से प्रकाशित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002
RNI No. : UTTHIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com
Website : www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

अजेंद्र अजय ने दी ब्रह्मलीन पायलट बाबा को श्रद्धांजलि

हरिद्वार। जूना अखाड़ा के वरिष्ठ महामंडलेश्वर स्वामी पायलट बाबा के ब्राह्मलीन होने पर बदरी-केदार मंदिर समिति के अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने हरिद्वार पहुंचकर पायलट बाबा की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। साथ ही उनकी उत्तराधिकारी योग माता केको आइकाव से आशीर्वाद लिया। उन्होंने कहा कि पायलट बाबा ने जिस निष्ठा के साथ देश की सेवा की उसी समर्पण भाव के साथ सनातन हिंदू धर्म की पताका को विदेशों में फहराया। उनके ब्राह्मलीन होने से सनातन धर्म को एक अपूरणीय क्षति हुई है।

बिजली के बिलों में भारी खामियां : सुनील सेठी

हरिद्वार। महानगर व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष सुनील सेठी ने कहा कि बिजली के बिलों में भारी खामियां हैं। जिसकी वजह से जनता हो या व्यापारी त्रस्त हैं।

बिलों में अनावश्यक चार्ज, अतिरिक्त यूनिट सरचार्ज, सिक्योरिटी के नाम पर चार्ज लगाकर जनता का शोषण किया जा रहा है। कहा कि सरकार को विभागों की कार्यशैली की जांच कर जनता को राहत दिलवानी चाहिए। महानगर अध्यक्ष जितेंद्र चौरसिया और उपाध्यक्ष सुनील मनोचा ने कहा कि जब कनेक्शन लगवाते समय एक बार सिक्योरिटी राशि जमा हो चुकी तो फिर अब कौन से जार्च जोड़कर बिल में भेजे जा रहे हैं। यूनिट सरचार्ज भी लगा कर अतिरिक्त चार्ज जनता पर डाले जा रहे हैं, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। खड़खड़ेश्वर अध्यक्ष भूदेव शर्मा और वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रीत कमल ने कहा कि बिजली उत्पादक राज्य में बिलों में अनावश्यक चार्ज जनता पर थोपकर निगम जनता को परेशान कर रहा है।

मां बेटे ने महिला को पीटा

हरिद्वार। उधार की रकम वापस मांगने पर एक महिला की पिटाई कर दी गई। पीड़िता की शिकायत पर ज्वालापुर पुलिस ने इस संबंध में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

क्षेत्र के बैरियर नंबर पांच धीरवाली निवासी लक्ष्मी मिश्रा ने पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि उसने निखिल निवासी वाल्मीकि बस्ती को रकम उधार दी थी। आरोप है कि पैसे वापस मांगने पर जल्द लौटा देने की बात कही। आरोप है कि निखिल और उसकी मां विनेश उसे फाउंड्री गेट से धीरवाली वाले रास्ते पर मिले।

संक्षिप्त खबरें

स्केलर के दो सौ पदों की भर्ती परीक्षा में शामिल हुए 8332 अभ्यर्थी

देहरादून। उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की ओर से वन विकास निगम में स्केलर के 200 पदों के लिए आयोजित की गई लिखित परीक्षा में 8332 अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया। परीक्षा के लिए 9192 ने आभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। परीक्षा के लिए चार जिलों में 22 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। आयोग के सचिव सुरेन्द्र सिंह रावत ने बताया कि वन विकास निगम में स्केलर के 200 पदों के लिए 14 मार्च, 2024 में विज्ञापित निकाली गई थी। परीक्षा में परीक्षार्थियों की उपस्थिति करीब 90.65 प्रतिशत रही। इस दौरान लिखित परीक्षा में शामिल सभी अभ्यर्थियों की बॉयोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज की गई। आयोग की ओर से परीक्षा केन्द्रों में किसी भी प्रकार की डिजिटल गतिविधियों को प्रतिबंधित करने के लिए जैमर लगाए गए थे।

अधिवक्ता का स्कूटर चोरी

हरिद्वार। ज्वालापुर में एक अधिवक्ता का स्कूटर चोरी कर लिया गया। अधिवक्ता की शिकायत पर इस संबंध में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस को दी गई शिकायत में अधिवक्ता बसंत कुमार चतुर्वेदी निवासी गली नंबर-पांच सुभाष नगर शंकर आश्रम ने बताया कि 23 अगस्त को उसका स्कूटर घर के बाहर खड़ा था। अगले दिन सुबह होने पर देखा कि स्कूटर गायब था। एसएसआई राजेश बिष्ट ने बताया कि अधिवक्ता की शिकायत पर चोरी का मुकदमा दर्ज कर लिया है।

हिंदुओं पर अत्याचार और दुराचार को लेकर पूर्व छात्रों ने निकाली शहर में जन आक्रोश रैली

हरिद्वार। जन आक्रोश रैली के समर्थन में देवभूमि बधिर एसोसिएशन उत्तराखंड के पदाधिकारी भी शामिल हुए। एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष और कार्यक्रम संयोजक पूर्व छात्र संदीप अरोड़ा ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं अत्याचार कियाजा रहा है। केंद्र सरकार को जल्द से इस मामले में दखल देना चाहिए। सह संयोजक पूर्व छात्र सत्यदेव राठी ने कहा कि देश में महिला अपराध लगातार बढ़ रहे हैं। देश के विभिन्न शहरों में कई घटनाएं घटी हैं। कोलकाता, महाराष्ट्र, रुद्रपुर, देहरादून में अपराधियों ने महिलाओं के साथ अपराध किया। कुछ जगह दुष्कर्म के बाद हत्या भी की गई है। जितेंद्र वीर सैनी और संदीप कश्यप ने कहा कि यहां बच्चिया भी सुरक्षित नहीं है। महाराष्ट्र में 13 साल की नाबालिग बच्ची से दुष्कर्म किया गया। ऐसा गलत काम करने वालों को तुरंत कड़ी सजा दी जानी चाहिए। धरना प्रदर्शन में वीरेंद्र सिंह, नंदकिशोर काला, रतनपाल सिंह, दिनेश शर्मा, अजय शर्मा आदि मौजूद रहे।

पीएम जन मन योजना के लगेगा पांच दिवसीय शिविर

हरिद्वार। लालढांग क्षेत्र में प्रधानमंत्री जन मन योजना के तहत अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए बहुद्देशिय शिविर का आयोजन किया जाएगा। 27 अगस्त को गैंडीखाता, 29 को बारात घर रसूलपुर मीठीबेरी, दो सितंबर को मॉडल स्कूल लालढांग, चार सितंबर को समसपुर कटेबड़ और छह सितंबर को प्राइमरी विद्यालय ढेंढियानवाला में आयोजित किया जाएगा। जिसमें विशेष कर एसटी वर्ग के वंचित लाभार्थी लाभ ले सकेंगे।

परेशानी पर कानूनी सहायता लें बुजुर्ग

हरिद्वार। बहादराबाद। रामराज ग्रामाद्योग सेवा संस्थान की ओर से संचालित देवस्य अभिलाषा रावली महदूद में आयोजित कार्यक्रम में कानून की जानकारी दी गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव सिविल जज (सीनियर डिवीजन) सिमरनजीत कौर ने विभिन्न कानूनों, अधिनियमों और प्रावधानों के बारे में जानकारी दी। वरिष्ठ नागरिक किसी भी परेशानी में अपने लिए कानूनी सहायता किस प्रकार प्राप्त कर सकते हैं, इसके बारे में उन्होने विस्तार से बताया। संस्थान की सचिव संजू शर्मा ने सभी वरिष्ठ जनों को स्वस्थ्य एवं दीर्घायु जीवन जीने के लिए स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने का आह्वान किया। संस्थान की ओर से किए जा रहे सामाजिक कार्यों की जानकारी दी।

गैंगरेप के बाद भी नहीं सुधरे आईएसबीटी के हालात : धस्माना

■ प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना पहुंचे आईएसबीटी
■ आईएसबीटी को विभाजित कर हरिद्वार रोड पर बने नया आईएसबीटी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 26 अगस्त , आईएसबीटी में बीती 13 अगस्त को हुई नाबालिग बालिका के साथ घटी जघन्य सामूहिक दुष्कर्म की घटना के १२ दिन बीत जाने के बाद भी आज राजधानी के अंतर राज्य बस टर्मिनल आईएसबीटी पर सुरक्षा व्यवस्था जस की तस राम भरोसे बनी हुई है व इस बस अड्डे के आसपास के ट्रैफिक का हाल भी वही पुराना है और आसपास के क्षेत्र के लोग जो आईएसबीटी के चारों ओर विभिन्न कालोनियों जिनमेंआईएसबीटी चौधरी कालोनी, मूलचंद एनक्लेव, इंद्रलोक कालोनी,संस्कृत कालोनी,शकुंतला एनक्लेव,नामदेव कालोनी,आजाद कालोनी,टर्नर रोड, ओगल भट्ठा,सुभाष नगर,ट्रांसपोर्ट नगर, शिमला चौक,मदनी कालोनी व मांजरा क्षेत्र के नागरिक अव्यवस्थाओं के कारण बेहद परेशान हैं यह कहना है उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना का जो आज दोपहर एक बजे अपने दल बल के साथ आईएसबीटी का मौका मुआयना करने पहुंचे और पूरे आईएसबीटी का गेट नंबर एक से लेकर अंदर और फिर बाहर निकासी द्वार तक घूमे और वहां व्याप्त गंदगी , जगह जगह, जल भराव, अनेक जगहों पर पड़े गड्ढे व पौधारोपण के बाद छोड़ी गई प्लास्टिक की पन्निया देख कर भौंचक्के रह गए।

उन्होंने उस जगह को भी देखा जहां उस रात वह बस पार्क की गई थी जिसमें नाबालिग बच्ची के साथ रोडवेज के पांच वहशी कर्मचारियों ने दुष्कर्म किया था। वहां खड़े कुछ कर्मचारियों व टैक्सी संचालकों ने बताया कि इतनी जघन्य घटना घट जाने के बाद भी आईएसबीटी में प्रकाश व्यवस्था ठीक नहीं हुई है और पुलिस की गश्त भी नाम मात्र को रहती है। धस्माना के आईएसबीटी पहुंचने की सूचना पर आस पास की कालोनियों के नागरिक भी आईएसबीटी पहुंच गए व उन्होंने क्षेत्र में जल भराव, ट्रैफिक जाम तथा डग्गामार गाड़ियों का सड़कों में घंटों घंटों पार्क होने के कारण पैदा होने वाली परेशानी से धस्माना को अवगत करवाया। बातचीत में कहा कि उन्होंने लगभग एक घंटे तक पूरे आईएसबीटी का बारीकी से निरीक्षण किया किंतु इस बीच उनको एक भी पुलिस कर्मी आईएसबीटी के गेट नंबर एक से और निकासी द्वार तक नजर नहीं आया।

उन्होंने कहा कि जब पूरे राज्य और देश में 13 अगस्त को घटी दुष्कर्म की घटना की चर्चा समाचार पत्रों ,चैनलों व सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म्स पर इतनी व्यापकता से हुई हो ऐसे में आईएसबीटी में कोई पुलिस सुरक्षा का इंतजाम नजर नहीं आना अपने आप में आश्चर्य जनक है और पुलिस की कार्यशैली व संवेदनशीलता पर प्रश्नचिन्ह खड़ा करता है।

धस्माना ने कहा कि टैक्सी यूनियन के पदाधिकारियों व रोडवेज के ही कुछ कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि पुलिस व आरटीओ विभाग की मिलीभगत से आईएसबीटी के आधे किलोमीटर के घेरे में अवैध बसों व टैक्सियों का संचालन खुले आम हो रहा है जिससे रोडवेज विभाग को तो नुकसान है ही ऐसे में असामाजिक तत्वों के सक्रिय रह कर अपराध की संभावना बनी रहती है।

धस्माना ने कहा कि वे शीघ्र ही राज्य के मुख्यमंत्री से राजधानी में एक नया आईएसबीटी बनाने की मांग करेंगे व मंगलवार को नगर निगम के आयुक्त से मिल कर आईएसबीटी में सफाई व प्रकाश व्यवस्था की तत्काल प्रभाव से व्यवस्था करने ,और क्षेत्र में जल भराव की समस्या को दूर करने की मांग करेंगे। श्री धस्माना के साथ निवर्तमान पार्षद मुकीम अहमद भूरा, अनुज दत्त शर्मा, तौफीक, तनवीर,अनीस अंसारी, आशुतोष, अवधेश कथिरिया आदि उपस्थित रहे।

आंदोलनकारी संगठन के अध्यक्ष बने विनोद डंडरियाल

हरिद्वार। चिन्हित राज्य आंदोलनकारी समिति की बैठक रविवार को हरिद्वार दिल्ली हाईवे स्थित मगनानंद आश्रम सिंहद्वार में हुई। वरिष्ठ राज्य आंदोलनकारी उमाशंकर वशिष्ठ ने राज्य आंदोलनकारियों के लिए दस फीसदी क्षैतिज आरक्षण विधेयक को राज्यपाल की ओर से मंजूरी दिए जाने पर प्रदेश सरकार का आभार व्यक्त किया गया। समिति के जिलाध्यक्ष सूर्यकांत भट्ट ने जिला कार्यकारणी विस्तार के बाद शहर कार्यकारिणी की घोषणा की। जिसमें विनोद डंडरियाल को शहर अध्यक्ष बनाया गया है। रविंद्र भट्ट को शहर उपाध्यक्ष, नत्थीलाल जुयाल को शहर महामंत्री, राधा बिष्ट को मंत्री, मनोज जोशी को संगठन मंत्री, चुने गए।

सहायक वन कर्मचारी संघ के अध्यक्ष बने हरपाल सिंह गुंसाई

हरिद्वार। रविवार को राजाजी टाइगर रिजर्व रेंज की ललतारौ वन कुटीर में राजाजी टाइगर रिजर्व सहायक वन कर्मचारी संघ का चुनाव सर्वसम्मति से संपन्न कराया गया। चुनाव अधिकारी डिप्टी रेंजर शीशपाल सिंह और राजवीर सिंह ने बताया कि चुनाव आम सहमति से हुआ। हरपाल सिंह गुसाईं को अध्यक्ष, अमरीक सिंह को उपाध्यक्ष और फरमान अली को सचिव चुना गया है, जबकि सूरत सिंह को कोषाध्यक्ष चुना गया है। बताया कि सहायक वन कर्मचारी संघ की कार्यकारिणी के विस्तार को लेकर अलग से बैठक कराई जाएगी। सहायक कर्मचारी संघ के नवनियुक्त अध्यक्ष हरपाल सिंह गुसाईं ने बताया कि वन कर्मचारियों के हितों और उनकी समस्याओं को लेकर प्राथमिकता के आधार पर कार्य करेंगे। इस दौरान आरडी कोटियाल, मनीराम आदि मौजूद रहे।

कांवड़िया लापता

हरिद्वार। कांवड़ यात्रा में लापता हुए कांवड़िये की कनखल पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर ली है। कनखल थाने में गुमशुदगी दर्ज कराते हुए कृष्ण कुमार निवासी ग्राम ग्योंग जिला कैथल हरियाणा ने बताया कि 27 जुलाई को उसका छोटा भाई करण सिंह गांव के लोगों के साथ कांवड़ लेने आया था। 29 जुलाई की सुबह गुरुबक्श विहार के पास से लापता हो गया। काफी तलाश करने पर भी भाई का अता पता नहीं चल सका।

मारपीट में युवक के कूल्हे की हड्डी टूटी

हरिद्वार। पुलिस को दी गई शिकायत में मिथलेश चौधरी निवासी शीतलामाता मंदिर ने बताया कि उसका भाई हरिशंकर 19 अगस्त को बाजार से सब्जी लेने गया था। आरोप है कि संत विहार कालोनी दक्ष मंदिर के पास समर्पण अपार्टमेंट के बाहर उसे सतेंद्र यादव ने अपने दोस्त के साथ रोक लिया और उसके साथ मारपीट कर दी। गाली-गलौज करते हुए आरोपी हत्या कर देने की धमकी देते हुए फरार हो गए। आस पास के लोगों के सूचना देने पर मौके पर पहुंचकर भाई को जिला अस्पताल ले गई, जहां सामने आया कि उसकी कूल्हे की हड्डी टूट गई है। प्रभारी निरीक्षक भावना कैंथोला ने बताया कि आरोपी सतेंद्र यादव, उसके दोस्त के खिलाफ प्रभावी धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सिडकुल पुलिस के हत्थे चढ़ा शातिर

हरिद्वार। सार्वजनिक स्थल पर मोबाइल फोन बेचने के नाम पर टप्पेबाजी करने की कोशिश कर रहे एक आरोपी को पुलिस ने पकड़ लिया। सिडकुल पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक चाकू, दो मोबाइल फोन और मोबाइल नुमा कांच का टुकड़ा, नकदी बरामद की है। आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। एसओ मनोहर सिंह भंडारी ने बताया कि शनिवार रात पुलिस को सूचना मिली कि लेबर चौक पर एक संदिग्ध व्यक्ति मौजूद है। मौके पर पहुंचने पर सामने आया कि भीड़ में मौजूद एक व्यक्ति मोबाइल फोन बेचने का प्रयास कर रहा है। संदेह होने पर उसे पकड़कर तलाशी ली गई तब उसके कब्जे से दो मोबाइल फोन, एक चाकू, दो मोबाइल कवर और उनके अंदर से अलग-अलग कांच के मोबाइलनुमा पीस बरामद हुए।

29 तक हत्यारों का पता लगाए पुलिस, नहीं तो करेंगे घेराव

अल्मोड़ा । वेतनधार निवासी युवक राकेश जोशी(33) की मौत के मामले में लोगों में खासा आक्रोश व्याप्त है 1 इससे गुस्साए लोग हत्यारों के पकड़े जाने तक शव का अंतिम संस्कार न करने देने पर अड़ गए, बाद में थानाध्यक्ष सतीश कापड़ी व अन्य लोगों के समझाने पर जनता किसी तरह से मान गई। बाद में मृतक के भाई महेश जोशी ने हत्या की प्राथमिकी लिखकर पुलिस को सौंपी। गुस्साए लोगों ने 29 अगस्त तक हत्यारे का पता न चलने पर 30 अगस्त को थाने के घेराव की चेतावनी दी है। आपको बता दे कि शनिवार सुबह वेतनधार निवासी युवक राकेश जोशी(उम्र 33) अपने घर से 16 किमी दूर तड़ागताल नंदा देवी मेला देखने गया था, वही युवक का शव घर से चार किमी दूरी पर गाबा में बीच सड़क पर पड़ा मिला। मृतक के चेहरे और सिर में गंभीर चोट के निशान मिले। गले में खरोंच के निशान मिले। इससे आशंका जताई जा रही है कि युवक की हत्या कर शव यहां फेंका गया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। देर रात शव मृतक के घर वेतनधार पहुंचा 1 रविवार यानी आज भारी गहमा गहमी के बाद अगनेरी के निकट शमशान घाट पर अंतिम संस्कार किया गया।

परिजनों के मुताबिक राकेश नैनीताल में एक होटल में काम करता था। तीन दिन पूर्व ही वह गांव आया हुआ था। शुक्रवार शाम वह घर में तड़ागताल नंदा देवी मेला देखने की बात कहकर निकला था, जिसके बाद से वह नहीं लौटा। दोपहर में परिजनों को एक शव मिलने की सूचना मिली। जिसके बाद परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

एसडीएम सुनील कुमार राज, तहसीलदार तितिक्षा जोशी, नायब तहसीलदार अलकेश नोडियाल व पूर्व विधायक पुष्पेश त्रिपाठी ने मृतक के घर जाकर उनकी मां, बहिन, भाई व अन्य परिजनों को सांत्वना दी 1 इस मौके पर एसडीएम सुनील कुमार राज व एसओ सतीश कापड़ी ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए मामले के शीघ्र खुलासे व इसके दोषियों को सख्त सजा दिलाने का आश्वासन दिया। इधर मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने मामले के खुलासे के लिए टीमों का गठन कर लिया है 1 फोरेंसिक टीम बुला ली गई है 1 बताया गया कि एसओजी की टीम भी लगा दी गई है 1 चौखुटिया पुलिस के अलावा द्वाराहाट थानाध्यक्ष अवनीश कुमार सहित वहां की पुलिस टीम भी चौखुटिया पहुंची है।

संक्षिप्त खबरें

चंद्रबदनी पुजारगांव विकास समिति के अध्यक्ष बने श्रीकृष्ण भट्ट

देहरादून। चंद्रबदनी पुजारगांव विकास समिति की आम बैठक रविवार को प्रेस क्लब में हुई। इसमें श्रीकृष्ण भट्ट को समिति का अध्यक्ष चुना गया। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि समिति का गठन 1996 में किया गया था। इसका उद्देश्य प्रवासी और पुजारगांव के सभी निवासियों के आपसी सरोकार, सामाजिक एवं सांस्कृतिक मुद्दों का संरक्षण करने के साथ ही विकास करना है। इस मौके पर वर्मतान समिति के उपाध्यक्ष आशीष भट्ट एवं सचिव मनोज भट्ट की ओर से समिति के कार्यों का विवरण रखा। बैठक में संरक्षक विरेंद्र भट्ट, कमलेश्वर भट्ट, अशोक भट्ट, दुर्गा प्रसाद भट्ट, भगतराम भट्ट, कुलभूषण भट्ट, हर्षमणि भट्ट, अशोक भट्ट, दुर्गा प्रसाद भट्ट, भगवती भट्ट, सुरेंद्र चंद्र भट्ट, सुरेंद्र भट्ट, राकेश भट्ट, संदीप भट्ट, जमुना प्रसाद भट्ट, रमेश भट्ट, शशीभूषण भट्ट, शैलेंद्र भट्ट, चंडीप्रसाद बड़ोनी आदि मौजूद रहे।

तिब्बतन नेशनल टीम ने जीती फुटबॉल ट्रॉफी

देहरादून। तिब्बतन गुरु स्व. घूंगथुग टीसुलट्रीम की 46वीं बर्थ अनिवर्सरी पर ढूंडुप्लीप फुटबॉल क्लब देहरादून की ओर से आयोजित जिला स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता का फाइनल तिब्बतन नेशनल टीम ने जीता। तिब्बतन स्कूल क्लेमटाउन में रविवार को फाइनल मुकाबला खेला गया। फाइनल में केली एफसी और तिब्बत नेशनल टीम मैदान में उतरे। तिब्बतन टीम ने आक्रमक खेलते 10वें मिनट में ही तम्यंग के गोल से 1-0 की बढ़त हासिल की। केली की तरफ से गौरव ने 79वें मिनट में गोल कर स्कोर बराबर कर दिया। एक्स्ट्रा टाइम में तिब्बतन टीम के नवांग ने 115वें मिनट में गोल कर टीम को 2-1 की निर्णायक बढ़त दिलाई। भाजपा नेता सादाब सम्स ने विजेताओं को पुरस्कृत किया। मौके पर आयोजक तामदिन, रैफरी डा. विरेंद्र सिंह रावत, रेफरी विमल रावत, दोर्जी, वरुण चौहान, हर्षित चौहान, हिमांशु प्रजापति, भास्कर तमंग, देवाशीष आदि मौजूद थे।

बढ़ा भत्ता और अन्य सुविधाएं नहीं लेंगे कांग्रेस के पूर्व विधायक गोदियाल

देहरादून। प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष व पूर्व विधायक गणेश गोदियाल ने हाल ही में गैरसैंण सत्र के दौरान बढ़े भत्ते और अन्य सुविधाएं लेने से इनकार कर दिया है। उन्होंने कहा कि वह इस बारे में विधानसभा अध्यक्ष को पत्र लिख रहे हैं। जिसमें वह मांग करेंगे कि विधायकों, पूर्व विधायकों के वेतन, भत्ते और अन्य सुविधा बढ़ाए जाने के लिए कर्मचारी-अधिकारियों की भांति एक नियामक आयोग बनाया जाए। रविवार को सोशल मीडिया में एक वीडियो संदेश में गोदियाल ने कहा कि उत्तराखंड में कई विभागों में राज्य के युवा छह से आठ हजार की नौकरी कर रहे हैं और वेतन बढ़ाने की सालों से मांग कर रहे हैं। राज्य में हर कोने में आपदा की भारी मार है। आपदा राहत राशि नहीं दी जा रही है। ऐसे में विधायकों, पूर्व विधायकों के भत्ते आदि बढ़ाने का लोगों में संदेश सही नहीं गया है। उन्होंने कहा कि पूर्व विधायक के नाते वह बढ़े भत्ते व अन्य सुविधाएं नहीं लेंगे। वह इस बारे में विधानसभा अध्यक्ष को पत्र लिख रहे हैं। कांग्रेस विधायक हरीश धामी की पीड़ा को जायज ठहराते हुए गोदियाल ने कहा कि सत्र की अवधि कम से कम 15 दिन होनी चाहिए। ताकि 70 विधायक अपने क्षेत्र की बात रख सकें। नेशनल कांफ्रेंस के साथ कांग्रेस गठबंधन के बारे में सीएम धामी की ओर से राहुल गांधी से पूछे गए सवालों के संबंध में गोदियाल ने कहा कि सीएम धामी राज्य में आपदा, बेरोजगारी व बढ़ते अपराध से लोगों का ध्यान बांटना चाहते हैं। सीएम को जम्मू कश्मीर के बजाए उत्तराखंड पर ध्यान देना चाहिए।

तीन दिन सत्र की क्या यही उपलब्धि है

गोदियाल ने कहा कि तीन दिन चले सत्र की यही उपलब्धि सामने आ रही है कि विधायक अपने वेतन, भत्ते खुद बढ़ा दे रहे हैं। गोदियाल ने कहा कि यह भी सच है कि सार्वजनिक जीवन में काम कर रहे लोगों को अधिक संसाधनों की जरूरत होती, लेकिन उसके लिए देशकाल और परिस्थिति देखनी चाहिए। राज्य में आपदा की विभाषिका है। विधायकों, पूर्व विधायकों का वेतन, भत्ते व अन्य सुविधाएं बढ़ाने के लिए यह सही समय नहीं था।